लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार 16 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 147

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

किसी से ईर्ष्या करके मनुष्य उसका तो कुछ बिगाड़ नहीं सकता है, पर अपनी निद्रा, अपना सुख और अपना सुख-संतोष अवश्य खो देता है।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

ईरान ने बंद किया एयरस्पेस, एयर इंडिया-इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। ईरान में लगातार बिगड़ते हालात का असर अब अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं पर भी साफ दिखने लगा है। सुरक्षा कारणों के चलते ईरान ने अपना हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद कर दिया है। इसके चलते एयर इंडिया, इंडिगो समेत कई प्रमुख एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइंस के अनुसार, ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण इस रूट से गुजरने वाली अधिकांश उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इससे उड़ानों के समय में देरी होने की आशंका है, जबकि कुछ फ्लाइट्स को रद भी करना पड़ा है। एयर इंडिया ने यात्रियों को जारी एडवाइजरी में कहा है, ईरान में बन रहे हालात के चलते वहां का एयर स्पेस बंद कर दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एयर इंडिया की उड़ानें वैकल्पिक रूट से संचालित की जा रही हैं, जिससे कुछ फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। एयर इंडिया ने आगे बताया कि कुछ उड़ानों के रूट में बदलाव संभव नहीं होने के कारण उन्हें रद किया गया है। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट पहुंचने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर के माध्यम से जरूर जांच लें।

ईरान में फंसे करीब हजारों भारतीय छात्र, ओवैसी-उमर ने जयशंकर से लगाई वापसी की गुहार

नई दिल्ली। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से ईरान में जारी अशांति के बीच फंसे भारतीय छात्रों की तत्काल मदद करने का आग्रह किया है। ओवैसी ने कहा कि इन छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का ईरान के विदेश मंत्री से बात करना एक अच्छा कदम है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि केवल बातचीत पर्याप्त नहीं है और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जमीनी स्तर पर त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि कई चिंतित अभिभावकों ने उनसे संपर्क किया है। ओवैसी के अनुसार, ईरान के शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में लगभग 70 से 80 भारतीय छात्र पढ़ते हैं, जिनमें हैदराबाद के पांच से आठ छात्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ईरान भर में सैकड़ों भारतीय छात्र हैं जो अब भयभीत और असहाय महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि ईरान में इंटरनेट ठप है। दूसरी बात, अभिभावक टिकट खरीदकर अपने बच्चों को भेज भी नहीं सकते। तीसरी बात, कई छात्र गरीब परिवारों से हैं और उनके पास टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि विश्वविद्यालय छात्रों के पासपोर्ट वापस नहीं कर रहा है, जिसके कारण वे ईरान छोड़कर भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

42 देशों के संसदीय पदाधिकारियों के सम्मेलन में बोले पीएम- हमारे लोकतंत्र की बुनियाद ठोस

भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। वेद लगभग 5000 साल पुराने हैं। निर्णय लेने से पहले विषयों के हर पहलू पर गहराई से मंथन और विचार-विमर्श होता है। फैसले लेने से पहले आम सहमति बनाने की कोशिश और मतदान होते हैं। जब भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की, तो कई लोगों को शक था कि इतनी विशाल विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। लेकिन यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की ताकत बन गई। यह भी संदेह था कि अगर लोकतंत्र जड़ पकड़ भी ले, तो भारत को विकास में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इन सभी शंकाओं के विपरीत, भारत ने यह साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं विकास में स्थिरता, पैमाना और गति प्रदान करती हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में 28वीं कॉमनवेल्थ स्पीकर्स एंड प्रेसिडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस (CSPOC), 2026 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री का स्वागत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, और राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश नारायण सिंह ने किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा की भारत की राष्ट्रपति देश की पहले नागरिक, एक महिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं। आज, भारतीय महिलाएं न केवल लोकतंत्र में भाग ले रही हैं बल्कि नेतृत्व भी कर रही हैं। आपमें से कई लोग भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र के रूप में जानते हैं। वास्तव में, हमारे लोकतंत्र का पैमाना असाधारण है। उदाहरण के तौर पर, 2024 में हुए भारत के आम चुनाव मानव इतिहास का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अभ्यास थे। लगभग 98 करोड़ नागरिकों ने वोट के लिए पंजीकरण कराया। यह संख्या कुछ महाद्वीपों की जनसंख्या से भी अधिक है। चुनावों में 8,000 से अधिक उम्मीदवार और 700 से अधिक राजनीतिक पार्टियां भाग लीं। महिलाओं के मतदान में भी रिकॉर्ड भागीदारी देखी गई। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर आप सभी बैठे हैं वो भारत की डेमोक्रेटिक जर्नी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुलामी के आखिरी वर्षों में जब भारत की आजादी तय हो चुकी थी, उस समय इसी सेंट्रल हॉल में भारत की संविधान की रचना के लिए संविधान सभा की बैठकें हुई थी। भारत की आजादी के बाद 75 वर्षों तक यह इमारत भारत की संसद रही और इसी हॉल में भारत के भविष्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय और अनेक चर्चाएं हुई। अब लोकतंत्र को समर्पित इस स्थान को भारत ने संविधान सदन का नाम दिया है।

कॉमनवेल्थ साझेदारों के भी काम आए अनुभव

कॉमनवेल्थ देशों की कुल जनसंख्या का लगभग 50 फीसदी हिस्सा भारत में बसता है। हमारा प्रयास रहा है कि भारत सभी देशों के विकास में अधिक से अधिक योगदान करे। कॉमनवेल्थ के सतत विकास लक्ष्यों में स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास और नवाचार के क्षेत्र में हम पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं। भारत सभी साथियों से सीखने का निरंतर प्रयास करता है। हमारा ये भी प्रयास होता है कि हमारे अनुभव अन्य कॉमनवेल्थ साझेदारों के भी काम आए। आज दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में वैश्विक दक्षिण के लिए भी नए रास्ते बनाने का समय है।

स्पीकर की भूमिका पर भी बोले पीएम मोदी

संसदीय लोकतंत्र में स्पीकर की भूमिका बेहद खास होती है। दिलचस्प बात यह है कि स्पीकर खुद ज्यादा बोलते नहीं हैं। उनका मुख्य काम होता है सदस्यों की बातें सुनना और यह सुनिश्चित करना कि हर किसी को बोलने का मौका मिले। स्पीकरों की सबसे बड़ी खासियत धैर्य है। वे सबसे शोरगुल करने वाले या उत्साही सदस्यों को भी सहनशीलता और मुस्कान के साथ संभालते हैं। संसदीय व्यवस्था में स्पीकर का काम केवल अध्यक्षता करना नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के लिए निष्पक्ष और संतुलित माहौल बनाना भी है। पीएम मोदी ने कहा कि यह चौथा अवसर है, जब कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स की कॉन्फ्रेंस भारत में हो रही है। इस बार इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय 'संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी डिलीवरी' है।

जन-केंद्रित नीतियों से मजबूत हुआ भारतीय लोकतंत्र: ओम बिरला

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र को जन-केंद्रित नीतियों और कल्याणकारी कानूनों के जरिए मजबूत किया गया है। ओम बिरला ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरी दुनिया नेतृत्व की ओर देख रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक चुनौतियों पर स्पष्ट और निर्णायक समाधान दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत की 70 से अधिक वर्षों की संसदीय यात्रा में लोकतंत्र को लगातार सशक्त किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देते हुए कहा कि भारत की निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव प्रणाली ने हर पात्र नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि संसद और सरकार के सामूहिक प्रयासों से अब तक 1500 से अधिक पुराने और बेकार कानूनों को खत्म किया गया है, और उनकी जगह नए कल्याणकारी कानून बनाए गए हैं। ओम बिरला के अनुसार, ये नीतियां और कानून भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत में विकसित UPI दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता भी है और वैश्विक स्तर पर इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। भारत ने विविधता को लोकतंत्र की ताकत बना दिया। भारत ने साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थिरता, गति और पैमाना तीनों प्रदान करती हैं।

भारतीय संसदीय व्यवस्था सच्चे लोकतंत्र की पहचान- हरिवंश

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि भारतीय संसदीय व्यवस्था की ताकत संवाद, बहस और असहमति की परंपरा से आती है। उन्होंने कहा कि यही मूल्य एक सच्चे लोकतंत्र की पहचान हैं। हरिवंश ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों से प्रतिनिधि और विचार-विमर्श आधारित संस्थाएं मौजूद रही हैं। उन्होंने दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों की मौजूदगी को भारत के उस विचार का प्रतीक बताया, जिसमें 'वसुधैव कुटुम्बकम्' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन बदलती वैश्विक चुनौतियों पर सामूहिक चिंतन और अनुभव साझा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही उन्होंने यह भी याद दिलाया कि स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स की जिम्मेदारी है कि वे सदनों की गरिमा बनाए रखें, कार्यवाही में निष्पक्षता सुनिश्चित करें और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें।

ओम बिरला की अध्यक्षता में सम्मेलन

कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला करेंगे। इसमें 42 कॉमनवेल्थ देशों के 61 स्पीकर्स और प्रेसिडिंग ऑफिसर्स के साथ-साथ चार अर्ध-स्वायत्त संसदों के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह आयोजन वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वता दर्शाता है। इस उच्चस्तरीय सम्मेलन में कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, मलेशिया, नामीबिया, ट्रिनिडाड और टोबैगो, टोंगा, कैमरून जैसे देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हाई कमीशन के प्रमुख फिलिप ग्रीन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

मायावती का 70वां जन्मदिन : कहा- ब्राह्मणों को चोखा-बाटी नहीं सम्मान चाहिए, शॉर्ट सर्किट के कारण पीसी रोकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अपने जन्मदिन पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सभी सरकारें बसपा द्वारा ही चलाई जा रही योजनाओं का नाम बदलकर चला रही हैं। उन्होंने कहा कि विरोधियों ने भ्रम फैलाकर बसपा को तोड़ने की कोशिश की है। कांग्रेस, बीजेपी सहित अन्य जातिवादी पार्टियां अलग-अलग हथकंडे अपना रही हैं। इनको मुंहतोड़ जवाब देकर यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में बीजेपी और कांग्रेस के विधायक अपनी उपेक्षा से नाराज होकर जुटे थे। बसपा ने ब्राह्मण को भागीदारी दी। ब्राह्मणों को किसी का चोखा बाटी नहीं चाहिए। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य समाज का बसपा सरकार पूरा ध्यान रखेगी। बसपा ने हमेशा ही उनका सम्मान किया है। बसपा ऐसी पार्टी है जिसने सभी जातियों और धर्मों का सम्मान किया है। सरकारों पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांशीराम के मरने पर राष्ट्रीय शोक नहीं घोषित किया। उनकी उपेक्षा की गई। दूसरी जातियों के साथ मुस्लिम समाज के साथ अन्याय हो रहा। बसपा सरकार में दंगा फसाद नहीं हुआ। हमारी सरकार में यादवों का भी ध्यान रखा गया।

सभी चुनाव अकेले ही लड़ेगी बसपा

मायावती ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वर्तमान में सभी समाज दुखी हैं और वह बसपा की सरकार चाह रहे हैं। इस बार गुमराह नहीं होना है। ईवीएम में धांधली और बेइमानी की चर्चा है। ये व्यवस्था कभी भी खत्म हो सकती है। एसआईआर की काफी शिकायतें है। इससे हमें सजग रहना होगा। गठबंधन से बसपा को नुकसान होता है। खासकर अपर कास्ट का वोट जातिवादी पार्टियों को मिलता है। तभी सारी पार्टियां हमसे गठबंधन चाहती हैं। भविष्य में बसपा सभी चुनाव अकेले लड़ेगी। आगे जब अपर कास्ट का वोट हमें मिलने का भरोसा हो जाएगा, तब गठबंधन करेंगे लेकिन इसमें अभी बरसों लगेंगे।

शार्ट सर्किट होने से रोकी गई प्रेस कॉन्फ्रेंस

मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शार्ट सर्किट से हाल में अफरातफरी मच गई। इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस रोक दी गई और सुरक्षाकर्मी बसपा सुप्रीमो को बाहर लेकर चले गए।

मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर पीएम मोदी पर बरसे खरगे, ऐतिहासिक धरोहर मिटाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वे सिर्फ अपना नाम अंकित करने के लिए हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं।

खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'गुप्त काल में वर्णित और बाद में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्स्थापित मणिकर्णिका घाट की दुर्लभ प्राचीन विरासत को जीर्णोद्धार के बहाने ध्वस्त करने का अपराध किया है,' आगे कहा कि सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। 'नरेंद्र मोदी जी... आप हर ऐतिहासिक धरोहर को मिटाना चाहते हैं। वह भी बस उस पर अपनी नामपट्टिका चिपकाना चाहते हैं।'

प्रदर्शनकारियों ने मणिकर्णिका घाट की पुनर्विकास योजना के तहत विध्वंस अभियान का विरोध किया है। अहिल्याबाई होलकर की एक शताब्दी पुरानी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है, जिसे जिला प्रशासन ने खारिज कर दिया है। जिला मजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार ने बुधवार को कहा कि कलाकृतियों को संस्कृति विभाग द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। काम पूरा होने के बाद उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनः स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस नवीनीकरण का उद्देश्य घाट पर स्वच्छता और स्थान प्रबंधन में सुधार करना है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में शवदाह होते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा आरोप, बोले- हैदराबाद में 'संघ परिवार' फैला रहा सांप्रदायिक अशांति

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के प्रयासों का आरोप लगाते हुए दावा किया कि 'संघ परिवार' से जुड़े कुछ तत्व रात के समय होने वाली घटनाओं और उनके अनुसार अप्रासंगिक मुद्दों पर तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि आप संघ परिवार से जुड़े इन तत्वों के इस पैटर्न को देखें, जो हैदराबाद में सांप्रदायिक अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, तो अधिकांश घटनाएं रात के समय हो रही हैं, और ये ऐसे मुद्दों पर हो रही हैं जिनका कोई महत्व नहीं है। वे सांप्रदायिक विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओवैसी ने आगे कहा कि घटना के बारे में अलग-अलग बातें फैलाई जा रही हैं, जिनमें पोस्टर फेंकने और मामूली उकसावे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के दावे शामिल हैं। पुलिस व्यवस्था पर चिंता जताते हुए, ओवैसी ने शहर के व्यापक निगरानी तंत्र के बावजूद स्थानीय अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मेरी चिंता यह है कि स्थानीय पुलिस वहां क्या कर रही है? वहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, और हैदराबाद में चेहरे की पहचान करने वाली बेहतरीन सीसीटीवी कैमरा तकनीक होनी चाहिए। ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए, खासकर उस खास जगह पर। एआईएमआईएम प्रमुख ने बताया कि संबंधित इलाके में 1980 और 1990 के दशक से सांप्रदायिक हिंसा का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, "मेरी पार्टी और मैंने व्यक्तिगत रूप से सांप्रदायिक मतभेदों को दूर करने के लिए बहुत प्रयास किए हैं, और यहां तक कि स्थानीय समुदाय ने भी आगे आकर मेरा सहयोग किया है, लेकिन एक राजनीतिक दल से जुड़े कुछ ऐसे तत्व हैं जो हैदराबाद में शांति को मजबूत होते या कायम होते नहीं देखना चाहते।" उन्होंने संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच करे, और उस क्षेत्र के लोगों और हैदराबाद के लोगों से मेरा निवेदन है कि हमें ऐसी घटनाओं की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

'2027 में ब्राह्मणों को साधेगी और अकेले विधान सभा चुनाव लड़ेगी BSP', अपने 70वें जन्मदिन पर पार्टी प्रमुख मायावती ने फिर दोहराया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

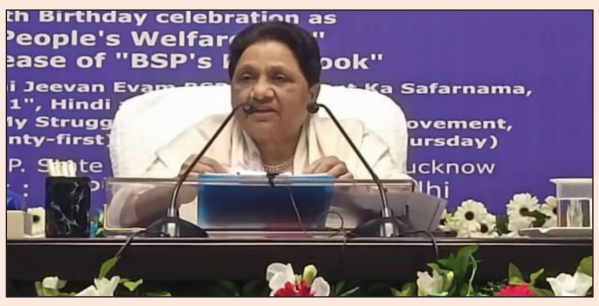

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को अपना 70वां जन्मदिन मनाया। लखनऊ में इस अवसर पर बसपा के राज्य मुख्यालय पर मीडिया को भी संबोधित किया। मायावती ने ब्लू बुक के 21वें संस्करण का विमोचन भी किया। मायावती ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं को नववर्ष को शुभकामना। विगत वर्षों से हमारा जन्मदिवस जनकल्याणकारी दिवस के रूप मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि बसपा ने सर्व समाज के लिए काम किया, हमने जनता के हित में काम किया था। प्रदेश की सरकारें प्रदेश में हमारी सरकार की बनाई गई योजनाओं का नाम बदलकर चला रही हैं, लेकिन उससे आम लोगों को कोई फायदा नहीं हो रहा है। देश में हमारी पार्टी के मूवमेंट को रोकने के लिए जातिवादी पार्टियां साम-दाम दंड का प्रयोग करके रोकने का प्रयास कर रही हैं। हमारी सरकार ने महापुरुषों का सम्मान किया। हमने महात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरू व छत्रपति साहूजी महाराज की प्रतिमाओं को लगाकर उनको सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने मुझे उत्तराधिकारी बनाया था। अब बसपा को कमजोर करने की साजिश चल रही है। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने जन्मदिन पर अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने की बात दोहराई। मायावती ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बहुमत की सरकार बनाने का दावा करते हुए कहा की बहुजन समाज के लोग किसी के बहकावे में ना आएं। बसपा विधानसभा सहित किसी भी चुनाव में किसी भी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करने जा रही है। मायावती ने कहा कि मैं अपने कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाती हूं कि 2027 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। बसपा किसी से कोई गठबंधन नहीं करेगी और अकेले ही 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

ब्राह्मणों को पार्टी के साथ जोड़ने पर विशेष जोर

बसपा सुप्रीमो ने ब्राह्मणों को पार्टी के साथ जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में भाजपा और अन्य दलों के ब्राह्मण विधायकों ने बैठक कर अपने अपमान को लेकर चिंता जताई थी, बसपा ने अपनी सरकार में ब्राह्मणों को पूरा सम्मान और हिस्सेदारी दी थी। अगली बार सरकार बनने पर भी पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने अन्य सभी वर्गों का भी आने वाले चुनाव में बसपा को समर्थन मिलने की उम्मीद जताई। लखनऊ में भाजपा ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार में ब्राह्मणों की स्थिति अच्छी नहीं है। हमारी सरकार में ब्राह्मणों का सम्मान किया गया। ब्राह्मणों को किसी भी पार्टी की बाटी चोखे की जरूरत नहीं है। भाजपा में ब्राह्मण समाज की उपेक्षा है। कुछ यही हाल सपा और कांग्रेस में है। बसपा ब्राह्मण समाज को टिकट देती है। बसपा सरकार में पूर्ण ख्याल रखा जाएगा। यूपी में बसपा सरकार जरूर बनेगी। ब्राह्मण समाज इनके बहकावे में मत आए। ब्राह्मण समाज किसी से डरने वाला नहीं है। ब्राह्मण किसी के बाटी-चोखा के चक्कर में नहीं है।

सपा सरकार में गुंडों का बोलबाला

समाजवादी पार्टी पर लगातार हमलावर मायावती ने कहा कि लखनऊ के गेस्ट हाउस में मेरे ऊपर हमला हुआ था। जिसमें सपा के कई हजार गुंडे शामिल थे। सपा सरकार में गुंडों का बोलबाला रहा है और उत्तर प्रदेश में दलितों का उत्पीड़न किया गया।

72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई, सीएम योगी ने दी बधाई

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर दोपहर 2 बजे तक 72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था। उन्होंने कहा कि आज पूरे दिन मकर संक्रांति का मुहूर्त है जिसे देखते हुए स्नानार्थियों की संख्या एक करोड़ के पार पहुंचने की संभावना है। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय स्थापित किए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। अग्रवाल ने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बसाई गई है।

विधायक ने किया नवनिर्मित अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के मधुवन गांव में गुरुवार को अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन किया गया। यह भवन 10 लाख 26 हजार रुपये से अधिक की लागत से निर्मित हुआ है। भाजपा विधायक विनोद सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। यह भवन ग्रामीणों को सरकारी राशन खरीदने की सुविधा प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में विधायक विनोद सिंह ने अपने संबोधन में योगी सरकार की सराहना की। उन्होंने अपने चार साल के कार्यकाल में विधानसभा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। इनमें टेढुई ओवर ब्रिज, गोमती पुल, कटका मायंग सड़क मार्ग और बल्दीराय तहसील के 57 गांवों को सदर तहसील में शामिल कराना शामिल है। विधायक ने ग्राम प्रधान बजरंग बहादुर सिंह द्वारा निर्मित अन्नपूर्णा भवन की गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने सदर विधायक द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए अन्नपूर्णा भवन से ग्रामीणों को होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह अन्नपूर्णा भवन मनरेगा, केंद्रीय वित्त और राज्य वित्त योजनाओं के तहत लगभग 10 लाख 26 हजार रुपये से अधिक की लागत से बनकर तैयार हुआ है। इसके बनने से अब ग्रामीणों को सरकारी राशन की खरीद समय पर उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम के समापन पर ग्राम प्रधान बजरंग बहादुर सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान रमेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान राम किशोर शुक्ला, प्रधान प्रतिनिधि अशोक, ओम प्रकाश सिंह, जिला पंचायत सदस्य नंदन चतुर्वेदी, वंश बहादुर, प्रधान प्रतिनिधि अजय सिंह, एडीओ पंचायत, सेक्रेटरी और पूर्ति अधिकारी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनता दर्शन में भी न्याय को तरसता अनुसूचित समाज, 40 दिन बाद भी एफआईआर विचाराधीन

आयुक्त के आश्वासन से आगे बढ़ेगा या फाइलों में ही दम तोड़ेगा न्याय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अयोध्या मण्डल के आयुक्त राजेश कुमार के एकदिवसीय दौरे पर जनता दर्शन में पहुँचे रविन्द्र कोरी (अनुसूचित जाति) निवासी ग्राम सैफुल्लागंज उम्मीद लेकर आए थे पर मिले फिर वही आश्वासन। आरोप है कि ऐनुल हक पुत्र मो० वहीद समेत कुछ सरहंग व अपराधी किस्म के लोग सरकारी चैम्बर व नाली पर मिट्टी डालकर जबरन कब्जा कर रहे हैं और पड़ोस के अनुसूचित जाति के परिवारों को प्रताड़ित कर रहे हैं।

प्रश्न यह नहीं कि अपराध हुआ या नहीं। प्रश्न यह है कि 04.12.2025 से चला आ रहा प्रकरण आज तक थ्रू के दरवाज़े तक क्यों नहीं पहुँच पाया? स्थानीय पुलिस को प्रार्थना पत्र दिए जाने के बावजूद प्रथम सूचना अब तक फाइलों की चौखट पर ही अटकी है। क्या कानून की गाड़ी के पहिए दलदल में फँस गए हैं या फिर पीड़ित की जाति देखकर न्याय का ट्रैफिक सिग्नल लाल हो जाता है। रविन्द्र कोरी ने प्रार्थना पत्र में स्पष्ट लिखा है कि जान-माल को खतरा है ऊपर से साजिश रची जा रही है पर पुलिस की कलम में स्याही सूख गई है। जनता दर्शन में आयुक्त महोदय ने थ्रू दर्ज कराने का आश्वासन दिया और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश भी दिए। पर सवाल वही पुराना आदेश कागज़ पर या ज़मीन पर। यह मामला सिर्फ कब्जे का नहीं प्रशासनिक संवेदनहीनता का आईना है। जब अनुसूचित समाज को न्याय के लिए आयुक्त के दर तक दौड़ लगानी पड़े, तो नीचे की व्यवस्था किसके भरोसे? क्या पुलिस का काम शिकायत दर्ज करना नहीं या पहले अनुकूल माहौल बनाना ज़रूरी है। रविन्द्र कोरी की गुहार सीधी है थ्रू दर्ज हो, सुरक्षा मिले, कब्जा हटे। शासन से अपेक्षा है कि वह आश्वासन को आदेश और आदेश को कार्रवाई में बदले। वरना जनता दर्शन भी जन-आश्वासन बनकर रह जाएगा और न्याय हमेशा की तरह लाइन में खड़ा रहेगा।

सीतापुर में कंटेनर का कहर : पहले बाइक को मारी टक्कर फिर 3 गाड़ियों से टकराते हुए डीआईओ की कार से भिड़ा, एक की मौत

> चालक नशे में था। मुकदमा लिखकर उसको जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। कंटेनर संचालक कंपनी को भी सूचना भेज दी गई है।
>
> अनिल सिंह, थानाध्यक्ष, खैराबाद

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। कोतवाली देहात के हाईवे पर बिजवार के पास बुधवार की दोपहर एक कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें महिला की मौत हो गई, जबकि उनके पति और नाती घायल हो गए। घटना के बाद कंटेनर लेकर भाग रहे चालक ने मछरेहटा चुंगी के पास जिला सूचना अधिकारी (डीआईओ) के वाहन समेत चार वाहनों को टक्कर मार दी।

इससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और डीआईओ व उनकी बहन को आंशिक चोट आई है। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर की आरएस लॉजिस्टिक्स कंपनी के कंटेनर को लेकर महोली के गांव चतुरैया का प्रमोद मिश्र हाईवे पर लखनऊ की ओर जा रहा था।

बिजवार गांव के पास उसने पहले बाइक को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार मानपुर के बैड़का गांव की रेनू शुक्ला, उनके पति पंकज शुक्ला और नाती लक्ष्य घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल ले जया गया, जहां रेनू को मृत घोषित कर दिया गया।

उधर, कंटेनर लेकर चालक भागा और खैराबाद की मछरेहटा चुंगी के पास डीआईओ विपिन कुमार समेत चार लोगों के वाहनों को टक्कर मार दी। इसमें विपिन कुमार उनकी बहन को आंशिक चोट आई।

जाम लगा होने के कारण चालक यहां से कंटेनर लेकर भाग नहीं पाया। उधर, चौकी पुलिस ने चालक को पकड़ लिया, जिसे जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

बसपा कार्यकर्ताओं ने मायावती का 70वां जन्मदिन मनाया

लम्भुआ/सुल्तानपुर। लंभुआ के शिवगढ़ में गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कार्यकर्ताओं ने मायावती का 70वां जन्मदिन मनाया। यह कार्यक्रम गणेश के आवास पर आयोजित किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने केक काटा और लड्डू वितरित किए। सुश्री मायावती का जन्म 15 जनवरी 1956 को नई दिल्ली में एक दलित परिवार में हुआ था। उनके पिता प्रभु दास एक डाकघर कर्मचारी थे और माता रामरती थीं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की डिग्री प्राप्त की।मायावती ने 1977 में कांशीराम के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और बाद में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं। वह उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उन्हें 'बहनजी' के नाम से जाना जाता है। उनका जन्मदिन 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

गोरखपुर में अपलोड होने लगा नोटिस, अब बीएलओ शुरू करेंगे वितरण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

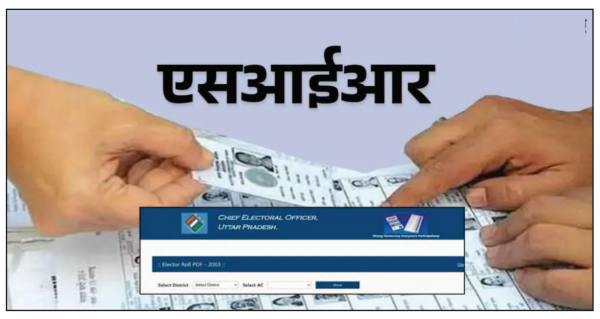

गोरखपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआइआर अभियान के तहत बिना मैपिंग वाले 3.22 लाख मतदाताओं के नोटिस निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास अपलोड होने शुरू हो गए हैं। वहीं से बूथ लेवल एजेंट (बीएलओ) प्रिंट निकालकर संबंधित मतदाताओं के घर नोटिस पहुंचाएंगे और जरूरी प्रमाण पत्र प्राप्त कर उसे अपलोड करेंगे। सुनवाई में मतदाताओं को दिक्कत न हो इसलिए प्रशासन की ओर से 206 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) तैनात किए गए हैं। नोटिस जारी होने की तिथि से सात दिन बाद की सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। गुरुवार को मकर संक्रांति का अवकाश है, ऐसे में माना जा रहा है 16 जनवरी से नोटिस वितरित करने का काम तेज हो जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी व (एडीएम वित्त एवं राजस्व) विनीत सिंह ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में तीन से पांच स्थानों पर सुनवाई केंद्र बनाए गए हैं। बीआरसी (ब्लाक संसाधन केंद्र), ब्लाक और तहसील मुख्यालय में सुनवाई की व्यवस्था की गई है।

बीएलओ संबंधित मतदाताओं के घर जाकर नोटिस पहुंचाएंगे सभी जरूरी प्रपत्र पोर्टल पर अपलोड करेंगे, जिसे एईआरओ भी देख सकेंगे। नोटिस अपलोड होने के सात दिन बाद ही सुनवाई की तिथि निर्धारित की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया छह फरवरी तक प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने और सुनवाई के साथ जारी रहेगी। इसी दौरान मतदाता सूची में लगी फोटो की भी जांच की जाएगी। यदि किसी मतदाता की फोटो स्पष्ट नहीं होगी तो बीएलओ उसे डिलीट कर गणना प्रपत्र के साथ संबंधित मतदाता की नई फोटो अपलोड करेंगे।

मकर संक्रांति पर सेवा का संकल्प, पूर्व प्रधान ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दुबेपुर गांव में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सामाजिक सरोकार और सेवा की अनूठी मिसाल देखने को मिली। पूर्व प्रधान अरविंद वर्मा और उनकी पत्नी माधुरी वर्मा द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में जहां सैकड़ों जरूरतमंदों को कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के लिए कंबल वितरित किए गए, वहीं युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए खेल सामग्री भी भेंट की गई। कार्यक्रम में 'खिचड़ी भोज' का भी आयोजन हुआ, जिसमें गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सरकार की उपलब्धियों का हुआ बखानकार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सुलतानपुर विधायक विनोद सिंह के पुत्र पुलकित सिंह ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की शुरुआत की। उन्होंने अपने संबोधन में क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि उनके पिता (विधायक विनोद सिंह) के प्रयासों से ही बल्दीराय के 57 गांवों को सुल्तानपुर तहसील में शामिल किया गया है, जिससे ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों में बड़ी राहत मिली है। उन्होंने भाजपा सरकार की जनहितकारी योजनाओं और क्षेत्रीय उपलब्धियों को भी गिनाया।सेवा ही सबसे बड़ा धर्मः अरविंद वर्मापूर्व प्रधान अरविंद वर्मा और माधुरी वर्मा ने असहाय महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों को कंबल वितरित किए। अरविंद वर्मा ने भावुक होते हुए कहा, "मैं राजनीति में रहूँ या न रहूँ, लेकिन गांव का हर गरीब और जरूरतमंद मेरा अपना परिवार है। मेरे दरवाजे गांव वालों के लिए 24 घंटे खुले हैं।"पूर्व प्रधान ने गिनाईं अपनी उपलब्धियांःआवास और पेंशनः पात्र व्यक्तियों को सरकारी आवास और वृद्ध/विधवा पेंशन का लाभ दिलाया।बुनियादी ढांचाः गांव की गलियों में नाली, खरंजा और इंटरलॉकिंग सड़कों का जाल बिछाया। चकरोड निर्माणः किसानों की सुविधा के लिए खेतों तक चकरोड बनवाकर सुगम आवाजाही सुनिश्चित की।

हनुमान जी की मूर्ति की चार दिन से परिक्रमा कर रहा कुत्ता, विशेषज्ञों ने बताए इसके संभावित कारण, गांव में जश्न

आर्यावर्त संवाददाता

नगीना (बिजनौर)। गांव नंदपुर में चार दिन से एक कुत्ता हनुमान जी की मूर्ति की परिक्रमा कर रहा है। इसे देख गांव में ग्रामीणों ने भंडारा शुरू दिया है।

उधर, कुत्ते में जांच के बाद रेबीज के लक्षण नहीं मिले हैं। पशु चिकित्सकों का मानना है कि कुत्ते को फ्रंट ब्रेन डिसआर्डर हो सकता है। ऐसी स्थिति में ही कुत्ता बार-बार एक जैसी हरकत करता है। हालांकि इसकी पुष्टि एमआरआइ होने के बाद ही हो सकेगी। यह कुत्ता इन दिनों कौतूहल का विषय बना है। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

बढ़ापुर रोड स्थित गांव नंदपुर के अंतिम छोर पर करीब 200 वर्ष से भी अधिक पुराना नंदलाल देवता महाराज का मंदिर है। मंदिर की देखरेख करने वाले तुषार सैनी बताते हैं कि रविवार की दोपहर एक कुत्ता ग्रामीणों को मंदिर के आसपास दिखाई दिया। सोमवार की तड़के जब वह मंदिर की साफ सफाई करने पहुंचे तो उन्होंने एक कुत्ते को मंदिर परिसर में लगी हनुमान जी की मूर्ति की परिक्रमा करते देखा। उन्होंने उसे वहां से भगाने का काफी प्रयास किया, लेकिन कुत्ता बराबर परिक्रमा करता रहा। लगातार चौथे दिन गुरुवार को भी उसकी परिक्रमा जारी रहै।

पता चलने पर काफी ग्रामीण पहुंच गए और उसके खाने के लिए दूध, रोटी रखी लेकिन उसने नहीं खाया। बुधवार देर शाम पशु चिकित्साधिकारी डा. रजनीश कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गांव पहुंची और कुत्ते का स्वास्थ्य परीक्षण किया। डा. रजनीश कुमार ने बताया कि कुत्ता शारीरिक रूप से स्वस्थ है। रेबीज के लक्षण नहीं है।

उन्होंने बताया कि कुत्ते को फ्रंट ब्रेन डिसआर्डर हो सकता है। ऐसी स्थिति में ही कुत्ता बार-बार एक जैसी हरकत करता है। सही स्थिति कुत्ते की एमआरआइ होने के बाद ही पता चल सकेगी। तुषार सैनी ने बताया कि तीसरे दिन कुत्ते ने थोड़ा आराम करने के बाद दूध पिया और फिर परिक्रमा शुरू कर दी। आसपास के लोग मंदिर परिसर में भंडारा करने की तैयारी कर रहे हैं।

क्या होता है फ्रंट ब्रेन डिसआर्डर

कुत्तों में फ्रंट ब्रेन डिसआर्डर (अग्र मस्तिष्क विकार) मस्तिष्क के अगले हिस्से को प्रभावित करने वाली स्थितियों को कहते हैं, जिसमें डिमेंशिया (भ्रम), दौरे या चोट जैसे विकार शामिल हैं, जिससे व्यवहार, संतुलन और चेतना में बदलाव आता है, जैसे दिशाहीन, गोल-गोल घूमना, भूख बढ़ना या घटना, व्यवहार में बदलाव। इसका कारण उम्र बढ़ना, संक्रमण या मस्तिष्क में सूजन या सिर में चोट लगना भी हो सकता है। पशु चिकित्सक एमआरआइ या सीटी स्कैन या अन्य परीक्षणों से सही कारण पता कर सकते हैं। कारणों के आधार पर ही उपचार किया जाता है। सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

कानपुर में आवारा कुत्तों की दहशत : रोजाना लगभग 90 लोगों को बना रहे शिकार, नगर निगम की कार्रवाई पर उठे सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। रोजाना 90 से 100 लोग कुत्तों के शिकार हो रहे हैं। पिछले साल पालतू कुत्ते के हमले से एक महिला की मौत भी हो चुकी है। कुत्तों पर अकुंश लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कुत्तों के काटने पर हर्जाना लगाने की तैयारी हो रही है। इसके बाद सरकार को लाखों रुपये रोज हर्जाना देना पड़ेगा।

शहर में सवा लाख कुत्तों का आतंक है। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। हालांकि कुत्तों पर अंकुश लगाने के लिए नगर निगम बंध्याकरण करा रहा है।

किशनपुर जाजमऊ और फूलबाग में एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बना है। यहां रोज 80 कुत्तों का बंध्याकरण किया जा रहा है। अब तक 36 हजार कुत्तों का बंध्याकरण हो चुका है। साथ ही शेल्टर होम भी बना है। दर्शनपुरवा, रामबाग, गांधीनगर, निराला नगर, रावतपुर, विकासनगर, विनायकपुर, श्याम नगर, पीरोड, नेहरू नगर, रामकृष्ण नगर समेत कई जगह कुत्तों का आतंक है। यहां लोगों का निकला मुश्किल हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नगर निगम जहां से कुत्ते पकड़ता है, वहीं पर छोड़ देता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सात नवंबर को आदेश दिए थे कि अस्पताल, कोचिंग मंडी, स्कूल, रेलवे स्टेशन बस डिपो से कुत्तों को हटाया जाए। इस बाबत मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आरके निरंजन ने बताया कि अभी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। फैसला आने के बाद ही कुछ बता पाएंगे।

रेल वन एप से आसान हुई टिकट की बुकिंग और यात्रा सेवाएं, एक क्लिक में मिलेगी पूरी जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

> रेल मंत्रालय ने डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल वन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। रेल वन एप यूजर फ्रेंडली इंटरफेस के साथ डिजाइन किया गया है। हिंदी व अंग्रेजी समेत कई भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को उनकी सुविधा अनुसार भाषा चुनने का विकल्प भी मिल रहा है।
>
> -पंकज कुमार सिंह, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी- पूर्वोत्तर रेलवे

गोरखपुर। 'रेल वन' एप पर जनरल (अनारक्षित) टिकटों की बुकिंग पर तीन प्रतिशत की छूट मिलनी शुरू हो गई है। 14 जुलाई 2026 तक किराये का डिजिटल भुगतान करने पर तीन प्रतिशत की रियायत मिलेगी। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को एक ही डिजिटल प्लेटफार्म पर यात्रा से संबंधित सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 'रेल वन' एप लांच किया है।

ट्रेनों के टिकट, फूड, लाइव लोकेशन और मदद के लिए यात्रियों को अलग-अलग एप व डिजिटल प्लेटफार्म पर नहीं जाना पड़ेगा। यात्री रेल वन पर आरक्षित, जनरल व प्लेटफार्म टिकट के अलावा मासिक सीजन टिकट भी बुक कर सकेंगे। ट्रेनों का लाइव लोकेशन देखने के साथ खानपान का आर्डर कर सकेंगे। यात्रा के दौरान जरूरत पड़ने पर रेल मदद पर मदद की गुहार भी लगा सकेंगे।

यात्री आइआरसीटीसी की वेबसाइट व एप के माध्यम से टिकट बुक करते हैं। मोबाइल यूटीएस एप से जनरल, प्लेटफार्म व मासिक सीजन टिकट बुक करते हैं। शिकायत के लिए रेल मदद एप या हेल्पलाइन 139 नंबर का उपयोग करते हैं। अब सभी सुविधाएं रेल वन पर ही मिल जा रही हैं।

यात्रियों की सुविधाओं को और आसान बनाने की दिशा में रेल वन एप उपयोगी साबित हो रहा है। सभी प्रकार की रेल टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेन की लाइव ट्रैकिंग, शिकायत दर्ज करने और खाने के आर्डर तक की सभी सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध हैं।

रेल वन एप में मिल रही सुविधाएं

अनारक्षित टिकट की बुकिंग
प्लेटफार्म टिकट, एमएसटी
ट्रेन की रियल-टाइम ट्रैकिंग
पीएनआर स्टेटस चेक
खाना आर्डर करने की सुविधा
शिकायत दर्ज करने के लिए रेल मदद

ऐसे करें आधार सत्यापन

एप डाउनलोड करने के बाद रजिस्टर या साइन अप पर क्लिक करें।

अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी से सत्यापन करें।

एमपीन सेट करें और प्रोफाइल जानकारी दर्ज करें।

प्रोफाइल या सेटिंग सेक्शन में जाकर आधार सत्यापन विकल्प चुनें।

आधार नंबर व आवश्यक जानकारी दर्ज कर ओटीपी या बायोमेट्रिक के जरिए सत्यापन पूरा करें।

मकर संक्रांति पर 151 जरूरतमंदों को मिले कंबल

कूरेभार/सुल्तानपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर गुरुवार दोपहर एक बजे कूरेभार ब्लॉक के पुरखीपुर गांव स्थित इछुरी सागर तट पर एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज इंटर कॉलेज और राज पब्लिक स्कूल के प्रबंधक और पूर्व प्रधान रमेश वर्मा के नेतृत्व में 151 जरूरतमंदों को खिचड़ी भोज के साथ कंबल वितरित किए गए।इस कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। खिचड़ी भोज में सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश प्रसारित हुआ। मुख्य अतिथि कूरेभार ब्लॉक प्रमुख ने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। उन्होंने कहा कि ऐसे जनसेवा के कार्य समाज में आपसी भाईचारे और समरसता को मजबूत करते हैं। ब्लॉक प्रमुख ने मकर संक्रांति जैसे पर्व पर ऐसे आयोजनों को सराहनीय बताया, जो समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाते हैं।

कानपुर में मकर संक्रांति पर उमड़ा आस्था का सैलाब, गंगा में लगाई डुबकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। मकर संक्रांति का पर्व गुरुवार को मनाया गया। घाटों पर गंगा स्नान के लिए घाटों पर भोर पहर से श्रद्धालु पहुंचने लगे। कोहरा और ठंड को देखते हुए सुबह श्रद्धालु कम संख्या में पहुंचे, स्नान के लिए कुछ श्रद्धालु बीच धारा तक पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई और विधि विधान से पूजन अर्चन किया।

घाटों पर प्रशासन ने पुलिस के बेहतर बदोबस्त के साथ बैरीकेटिंग भी की गई है। नगर पंचायत बिठूर की तरफ से घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। नावों पर प्रतिबंधित किया गया है। जल पुलिस के जवान भी मुस्तैद दिखे।

बिठूर के प्रमुख घाटों में ब्रम्हावर्त घाट,लक्ष्मण घाट,सीता घाट,पत्थर घाट बारादरी घाट, पर श्रद्धालु मकर संक्रांति पर पहुंचकर गंगा स्नान कर, जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी का दान,और तिल, गर्म कपड़े का दान किया। मंगलवार को गंगा स्नान पड़ने से इसका अलग महत्व है। भगवान शिव और और सूर्य की पूजा करने से लाभ मिलता है।

आचार्य आशुतोष द्विवेदी ने बताया मकर संक्रांति के पर्व पर गंगा या पवित्र नदी में स्नान करने के बाद हरे मूंग की दाल चावल का दान,वस्त्रों के दान करने का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य दक्षिण से उत्तर में प्रवेश करता है यह पर्व सूर्य देव को समर्पित है।

पार्टी को 2017 से बड़ी जीत 2027 में दिलाने के लिए अभी से जुटे कार्यकर्ता, आम जनता से मिलें: भाजपा अध्यक्ष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक जीत के लक्ष्य के साथ अभी से जुटना है। संगठन ने जो भी दायित्व सौंपा है, उसे पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ निभाना प्रत्येक कार्यकर्ता का कर्तव्य है। प्रत्येक कार्यकर्ता को संपर्क, संवाद और सेवा के भाव के साथ जनता के बीच जाकर कार्य करना होगा। वह बृहस्पतिवार को पार्टी मुख्यालय में सभी मोर्चो, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्ष, महामंत्री, संयोजक, सहसंयोजको की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

पंकज चौधरी ने कहा कि विभाग और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के बल पर पार्टी और समाज में पहचान बनाता है। समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका होती है। इनके माध्यम से लोगों को पार्टी से जोड़ा जाता है, जिससे संगठन और अधिक मजबूत होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं, जिससे देश आत्मनिर्भर और विकसित बन रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। यूपी आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है।

मुद्दाविहीन विपक्ष झूठ, भ्रम और दुष्प्रचार के सहारे जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भाजपा का जागरूक और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता विपक्ष के हर झूठ को तथ्यों और सच्चाई के साथ बेनकाब करेगा। धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ता-आधारित और विचारधारा-प्रधान संगठन है। पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका अनुशासित, समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता है, जो हर परिस्थिति में संगठन के लिए खड़ा रहता है। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए तथा सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाए। इससे संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

ब्रजेश पाठक बोले–केजीएमयू धर्मांतरण मामले पर सरकार करेगी कार्रवाई . . .प्रशासन ने दी पूरी जानकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में धर्मांतरण विवाद के बाद बृहस्पतिवार को पहली बार परिसर पहुंचे उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक को प्रशासन ने प्रकरण के बारे में पूरी जानकारी दी। डिप्टी सीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि परिसर के डॉक्टर व अन्य स्टॉफ किसी तरह की हड़ताल न करें। मुख्यमंत्री की निगरानी में सभी मामले की निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। केजीएमयू के कलाम भवन में बृहस्पतिवार को आयोजित हरिओम सेवा केंद्र के वार्षिकोत्सव में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। केजीएयमू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद को भी इसमें शामिल होना था, लेकिन उनकी जगह केजीएमयू के अन्य प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम खत्म होने के बाद प्रशासन ने उप मुख्यमंत्री से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि उप मुख्यमंत्री ने धर्मांतरण विवाद और उसके बाद हुई घटना के सभी पहलुओं के बारे में जानकारी ली। पैथोलॉजी के एचओडी डॉ. वाहिद अली को हटाए जाने के बारे में प्रो. केके ने बताया कि हमारे यहां पैथौलॉजी लैब इंचार्जों की रिशफलिंग होती रहती है और यह बदलाव रूटीन प्रक्रिया है। इसमें किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। धर्मांतरण विवाद पर डिप्टी सीएम ने भी आश्वासन दिया है कि सरकार गंभीरता से कार्रवाई करेगी। केजीएयू के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज मलिक पर एक महिला रेजिडेंट का यौन शोषण करने और धर्मांतरण के प्रयास का आरोप है। इस मामले की जांच एसटीएफ भी कर रही है। इस प्रकरण में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के बीच विवाद भी हो चुका है। अपर्णा के समर्थकों पर कुलपति कार्यालय में तोड़फोड़ करने का भी आरोप है। केजीएमयू प्रशासन इस संबंध में पुलिस को लिखित तहरीर भी दी थी, लेकिन एफआईआर नहीं हुई। इसके विरोध में केजीएमयू के चिकित्सक व अन्य संगठनों ने हड़ताल की चेतावनी भी दी थी, जो बाद में स्थगित कर दी गई।

फरवरी से प्रदेश में चलेगा 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार तपेदिक (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक बार फिर बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। प्रदेश में फरवरी से 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक टीबी मरीजों की पहचान कर समयबद्ध इलाज सुनिश्चित करना है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। स्वास्थ्य महानिदेशक द्वारा सभी अपर निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।स्वास्थ्य विभाग ने टीबी को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती मानते हुए एक और अहम पहल की है। टीबी रोगियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने कौशल विकास विभाग को पत्र भेजकर टीबी मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया है, ताकि इलाज के साथ-साथ उनका सामाजिक पुनर्वास भी सुनिश्चित हो सके।स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल के अनुसार, प्रदेश में 7 दिसंबर 2024 से सघन टीबी खोज अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, वहीं टीबी से होने वाली मौतों में भी 17 फीसदी की गिरावट आई है। इन्हीं उपलब्धियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फरवरी से नया 100 दिवसीय विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया है।स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह सुमन ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान की सफलता के लिए जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। इसी क्रम में सभी जिलों के सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे सांसदों के साथ दो माह में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित करें और उन्हें निःक्षय शिविरों तथा अन्य जनसहभागिता से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल करें। यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रखी जाएगी। इसके अलावा विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, ग्राम प्रधानों और पार्षदों को भी अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।सामाजिक जागरूकता को व्यापक स्तर पर फैलाने के लिए 'माई भारत' वालंटियर्स और पंजीकृत निःक्षय मित्रों की भी सेवाएं ली जाएंगी।

अम्बेडकर नगर के राजभर वंशीय अष्ट खम्भा स्तूप को मिलेगी नई पहचान, एक करोड़ रुपये से होगा पर्यटन विकास

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजभर समाज की शौर्यगाथा और महाराजा सुहेलदेव की गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अम्बेडकर नगर स्थित ऐतिहासिक राजभर वंशीय अष्ट खम्भा स्तूप को प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए राज्य सरकार एक करोड़ रुपये की धनराशि से इसका पर्यटन विकास कराएगी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि अम्बेडकर नगर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने की दिशा में यह एक अहम पहल है। जिले के लोरपुर क्षेत्र में स्थित महाराजा सुहेलदेव से जुड़ा राजभर वंशीय अष्ट खम्भा स्तूप केवल एक पुरातात्विक संरचना नहीं, बल्कि राजभर समाज के स्वाभिमान, शौर्य और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इस स्थल के पर्यटन विकास का उद्देश्य इसकी ऐतिहासिक गरिमा को संरक्षित करते हुए इसे संस्कृति और पर्यटन के संगम के रूप में विकसित करना है, ताकि महाराजा सुहेलदेव की वीरता और राजभर समाज की परंपराएं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान पा सकें।पर्यटन विभाग द्वारा इस परियोजना के अंतर्गत अष्ट खम्भा स्तूप परिसर का समेकित विकास किया जाएगा। इसके तहत सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, पेयजल, सूचना केंद्र सहित पर्यटकों की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इससे न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि अम्बेडकर नगर को ऐतिहासिक पर्यटन के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिलेगी।इतिहास के पन्नों में 11वीं सदी के वीर शासक महाराजा सुहेलदेव राजभर का उल्लेख उत्तर भारत की रक्षा करने वाले महान योद्धा के रूप में मिलता है। विदेशी आक्रमणों के दौर में सैय्यद सालार मसूद द्वारा किए गए हमलों से धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों को भारी क्षति पहुंची थी, जिनमें अष्ट खम्भा जैसे महत्वपूर्ण चिन्ह भी शामिल थे। इसे राजभर समाज ने अपनी आस्था और पहचान पर आघात माना। इसके बाद महाराजा सुहेलदेव ने निर्णायक युद्ध में सालार मसूद को पराजित कर क्षेत्र को पुनः सुरक्षित किया। कालांतर में अष्ट खम्भों का जीर्णोद्धार हुआ और वे सांस्कृतिक गौरव के केंद्र बने। अब पर्यटन विकास के माध्यम से यह स्थल फिर से इतिहास, संस्कृति और पर्यटन के केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है।जयवीर सिंह ने बताया कि सरकार के सतत प्रयासों और सुदृढ़ होती कनेक्टिविटी के चलते अम्बेडकर नगर तेजी से प्रदेश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। घाघरा नदी के तट पर बसे इस जनपद में नौकायन, तैराकी और सुंदर घाट पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं बीड़ी गांव का महादेव मंदिर, अकबरपुर-खाटेरी मार्ग स्थित शिव बाबा मंदिर, बेनीपुर के अनिरुद्ध नगर का हनुमान मंदिर तथा राज सुल्तानपुर के बाबा जी कुटी, मां कालिका मंदिर और श्री ब्रह्म बाबा मंदिर जैसे धार्मिक स्थल जनपद को आस्था और पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बना रहे हैं।पर्यटन मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024 में अम्बेडकर नगर में 3.31 लाख पर्यटक पहुंचे थे, जबकि वर्ष 2025 में जनवरी से जून के बीच ही दो लाख से अधिक पर्यटक यहां आ चुके थे। यह आंकड़े जनपद की बढ़ती लोकप्रियता और पर्यटन संभावनाओं को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। अष्ट खम्भा स्तूप के पर्यटन विकास के बाद अम्बेडकर नगर को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में और नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

भाजपा मोर्चा, प्रकोष्ठ व विभागों की प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न, 2027 के लक्ष्य के साथ अभी से जुटने का आह्वान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्ष, महामंत्री, संयोजक एवं सहसंयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मार्गदर्शन दिया। बैठक का संचालन विभाग एवं प्रकोष्ठ प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि प्रत्येक दायित्व समान रूप से अहम होता है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के माध्यम से पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका है। इनके माध्यम से विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को पार्टी से जोड़ा जाता है, जिससे संगठन और अधिक मजबूत होता है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब कल्याण, गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिएऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य किए हैं। आज देश आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी तरह उत्तर प्रदेश मेंमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

बीबीएयू में राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 15 जनवरी से शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्थायी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय कर्मयोगी–लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 15 जनवरी से 29 जनवरी तक विभिन्न चरणों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लगभग 30 प्रतिभागियों के बैच में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र संपन्न कराए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यवाहक कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा द्वारा किया गया।उद्घाटन अवसर पर कार्यवाहक कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के माध्यम से कर्मचारियों में सेवा भाव, जवाबदेही और कार्यकुशलता को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जो विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्मयोगी बनने का अर्थ है अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करना।प्रशिक्षण सत्र का संचालन बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डी. आर. मोदी, विधि विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा तथा कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समन्वयक के रूप में डॉ. आर. के. साहू एवं डॉ. बालन जी. की भी सक्रिय भूमिका रही।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों में सेवा भावना, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और कार्य दक्षता का विकास करना है। कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों को जनसेवा के आधुनिक दृष्टिकोण और प्रशासनिक दक्षताओं से अवगत कराया जा रहा है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार 30 जनवरी 2026 से पूर्व इस प्रकार के कुल 10 प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी नियमित शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों को राष्ट्रीय कर्मयोगी प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। पहले बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर सहित गैर-शिक्षण वर्ग के ग्रुप ए, बी एवं सी के कुल 30 कर्मचारी प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित रहे।कार्यक्रम के समापन पर यह विश्वास व्यक्त किया गया कि राष्ट्रीय कर्मयोगी प्रशिक्षण विश्वविद्यालय के कार्यसंस्कृति को और अधिक सेवा-केंद्रित, उत्तरदायी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कानपुर की छतें बनीं पावर हाउस, सोलर रूफटॉप में प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंचा नगर, 64 मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा के क्षेत्र में ए.के. शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। ग्रीन एनर्जी की दिशा में उठाए जा रहे ठोस कदमों का असर अब जमीन पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में कानपुर नगर में बिजली उत्पादन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहां शहर की छतें अब छोटे-छोटे पावर हाउस के रूप में उभर रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत स्थापित सोलर रूफटॉप सिस्टम से कानपुर नगर में करीब 64 मेगावाट क्षमता की सौर बिजली का उत्पादन हो रहा है। नेडा के आंकड़ों के अनुसार अब तक जिले में 20,756 सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिससे कानपुर नगर प्रदेश में सोलर रूफटॉप स्थापना के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस उपलब्धि पर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जनपदवासियों को बधाई देते हुए इसे स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ी सफलता बताया है।ऊर्जा विशेषज्ञों के अनुसार 64 मेगावाट सौर उत्पादन सालाना लगभग 9.6 करोड़ यूनिट स्वच्छ बिजली के बराबर है। मौजूदा बाजार दरों के हिसाब से इसका वार्षिक आर्थिक मूल्य करीब 34 से 38 करोड़ रुपये आंका जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इतनी मात्रा में बिजली पारंपरिक स्रोतों से खरीदी जाए तो सरकार, संस्थानों और आम उपभोक्ताओं को हर साल इतनी बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती। सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने वाले उपभोक्ताओं को इसका सीधा लाभ बिजली बिलों में कमी के रूप में मिल रहा है, जिससे आम लोगों की मासिक बचत भी बढ़ी है।फरवरी 2024 से शुरू हुई प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत कानपुर नगर में सोलर रूफटॉप स्थापना की रफ्तार लगातार बनी हुई है। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 80 से 90 नए सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं। व्यक्तिगत आवासों के साथ-साथ बहुमंजिला इमारतों और हाउसिंग सोसाइटियों के कॉमन एरिया में भी सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं, जिससे शहरी स्तर पर विकेंद्रीकृत बिजली उत्पादन का आधार मजबूत हो रहा है। इससे न केवल बिजली आपूर्ति पर दबाव कम हो रहा है, बल्कि शहर को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम माना जा रहा है।ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों के मुताबिक 64 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन से सालाना करीब 80 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आती है। पर्यावरणीय दृष्टि से यह लाभ लगभग 35 लाख पेड़ लगाने के बराबर आंका जा रहा है। इसके अलावा इतनी क्षमता से प्रतिदिन औसतन 30 से 35 हजार शहरी घरों की बिजली जरूरत पूरी की जा सकती है।

लखनऊ व्यापार मंडल का स्नेह मिलन एवं वार्षिक महोत्सव ऐशबाग में भव्य रूप से संपन्न, व्यापारियों की एकता और अधिकारों का संकल्प दोहराया गया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन गुरुवार को रामलीला ग्राउंड, ऐशबाग में अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में व्यापारियों की सहभागिता ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की, जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कुशलतापूर्वक निभाई।कार्यक्रम में युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता, वरिष्ठ महामंत्री प्रियंक गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा उपस्थित सभी व्यापारियों का गुलाब पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया और नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर आगंतुक व्यापारियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे पूरे आयोजन में आत्मीयता और सौहार्द का वातावरण बना रहा।इस दौरान चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा, कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री अभिषेक खरे, अनुराग मिश्र और उमेश शर्मा द्वारा लखनऊ व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक बनवारी लाल कंछल सहित संरक्षकगण हरिश्चंद्र अग्रवाल, सुधीर शंकर हलवाशिया, वासुदेव चावला, डॉ. जगदीश अग्रवाल, राजेश बत्रा, गणेश बंसल, विजय छाबड़ा, मदन गोपाल गुप्ता, सुरेश कंछल, गोपाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं अन्य संरक्षक सदस्यों को अंगवस्त्र और भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र और वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा द्वारा चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल को भी अंगवस्त्र एवं भामाशाह सम्मान प्रदान किया गया।अपने संबोधन में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने सदन को अवगत कराया कि लखनऊ व्यापार मंडल के चुनाव आगामी माह में प्रस्तावित हैं और उनकी तिथियों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहा है। संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता में निहित है और आने वाले समय में मंडल व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगा।चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल केवल एक संगठन नहीं, बल्कि व्यापारियों का एक सशक्त परिवार है, जो हर संघर्ष और हर परिस्थिति में अपने सदस्यों के साथ मजबूती से खड़ा रहता है। वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक व्यापारी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और आगामी चुनाव संगठन को और अधिक लोकतांत्रिक एवं सशक्त स्वरूप प्रदान करेंगे।कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री अभिषेक खरे, उमेश शर्मा और अनुराग मिश्र ने संयुक्त रूप से कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन के साथ निरंतर संवाद बनाए रखेगा और किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करेगा।कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संगठन की एकता को और अधिक मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ। आयोजन में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, पवन मनोचा, देवेंद्र गुप्ता, अनुराग मिश्र, उमेश शर्मा, अभिषेक खरे, सतीश अग्रवाल, अनिल बजाज, अशोक मोतियानी, भारत भूषण गुप्ता, राजेंद्र सिंह दुआ, रामकुमार वर्मा, उत्तम कपूर, देव कुमार शुक्ला, अरुण अवस्थी, नीरज जौहर, अजय कुमार पिपलानी, सुरेश कुमार, केदार बाजपेई, रविंद्र गुप्ता, श्याम कृष्णानी, विनोद माहेश्वरी, आरिफ खान, इरफान अंसारी, परवेज, नितिन जैन, अभिषेक कुमार, लोकराम अग्रवाल, मनोज हवेलिया, संजय अग्रवाल, सुरेंद्र नाथ अग्रवाल, सौरभ शर्मा, दीपक सहगल, गौतम आहूजा, सचिन रस्तोगी, विनय शुक्ला, अजय गुप्ता, सुमेश मिश्र, साकेत शर्मा, तौहीद सिद्दीकी, नजमी, अचल मल्होत्रा, नीरज गुप्ता, कुश मिश्र, लल्लन यादव, सुधीर कुमार, अभिषेक यादव, सचिन कंछल, सुशील तिवारी, धीरेंद्र सोनी, सतीश चंद्र मिश्र, निलेश अग्रवाल, विनय गुप्ता, विजय निवार्ण, जे.एस. सेठी, जितेंद्र प्रसाद कनोजिया, सुरेश कुमारी, अजय तिक्खा, अनुराग साहू सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

पांच किलो अनाज लेने वालों की संख्या कम नहीं

साल की शुरूआत की खबर थी कि दिल्ली के चिड़ियाघर में 25 हजार से ज्यादा लोग पहुंचे। इंडिया गेट और आसपास पर एक लाख लोग जमा हो गए। दिल्ली की सड़कों पर ऐसा जाम लगा कि खान मार्केट से इंडिया गेट की दो किलोमीटर की दूरी तय करने में एक एक घंटा लगा। जम्मू कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद बने भय और आशंका के बावजूद हजारों लोग जम्मू कश्मीर पहुंचे। अकेले पहलगाम की खबर है कि आठ हजार कमरों की बुकिंग हुई थी। गुलमर्ग के होटलों में सौ फीसदी बुकिंग हुई। मनाली, शिमला, देहरादून आदि जगहों पर तो गाड़ियों की एंट्री रोक दी गई थी। जिन लोगों के पास होटल की बुकिंग थी उन्हीं की गाड़ी को शहर में प्रवेश की इजाजत थी। फिर भी हजारों लोगों की गाड़ियों से पूरा रास्ता जाम पड़ा रहा। महानगरों के मॉल भरे हुए थे और रेस्तरां में खाने के लिए घंटों की वेटिंग थी।

यह भीड़ भारत की पहचान है, जो हर जगह है। खबर चली है कि जापान को पीछे छोड़ कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया। लेकिन पांच किलो अनाज लेने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। 80 करोड़ से ज्यादा लोग पांच किलो अनाज ले रहे हैं। अलग अलग राज्यों में महिला सम्मान के नाम पर शुरू हुई योजनाओं में भीड़ है। पुरुष भी महिला बन कर पैसे के लिए आवेदन कर रहे हैं। जिनका खेती से कोई लेना देना नहीं है वे भी किसान सम्मान के पैसे उठा रहे हैं। जिन राज्यों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर चल रहा है वहां बूथ लेवल अधिकारी भीड़ से घिरे हैं। हजारों लोग अपने पहचान और जन्म के दस्तावेज लेकर बीएलओ के पीछे घूम रहे हैं।

नौकरी की भीड़ ऐसी है कि चपरासी की नौकरी के लिए एमए पास और एमबीए कर चुके लोग आवेदन कर रहे हैं। एक पद के लिए 10 हजार लोग आवेदन कर रहे हैं। गांवों की भीड़ निकल कर शहरों की ओर चल पड़ी है। शहरी जीवन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित नहीं हो रहा है लेकिन शहरों में भीड़ बढ़ती जा रही है। शहरों में ऑफिस जाने वाले घंटों तक सड़कों पर ट्रैफिक में रहते हैं। ट्रेनों की भीड़ तो हर दिन दिखाई देती थी इस बार इंडिगो का संकट हुआ तो हवाई यात्रियों की भीड़ भी दिखी। शहरों के अमीर लोगों ने पहाड़ों और जंगलों पर हमला किया। वहां फार्म हाउस और रिसॉर्ट, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, जिम आदि बन रहे हैं। इसका नतीजा है कि जंगली जानवर शहरों में लोगों के घरों तक पहुंचने लगे हैं।

नए साल में और आने वाले कई सालों में यह भीड़ कम नहीं होने वाली है। यह भीड़ बढ़ती जाएगी। 140 करोड़ लोगों का देश डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा छुएगा और उससे भी आगे जाएगा। हिंदू धर्म गुरुओं से लेकर नेता और सामाजिक संगठनों के लोग हिंदुओं से आबादी बढ़ाने की अपील कर रहे हैं। कम से कम तीन बच्चे पैदा करने का आह्वान किया जा रहा है। धर्म बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी बताया जा रहा है। क्योंकि मुस्लिम आबादी बढ़ने की दर कम नहीं हो रही है। भारत में कामकाजी उम्र यानी 16 से लेकर 64 साल तक के लोगों की आबादी 50 करोड़ से ज्यादा है। लेकिन ज्यादातर के लिए कोई सम्मानजनक काम नहीं है। छोटे शहरों से लेकर राजधानी दिल्ली तक रोजगार के नाम पर ई रिक्शा की हुजूम है या रील बनाने वालों की भीड़ है या मोमोज, चाउमीन, छोले भटूरे और लिट्टी चोखा बेचने वालों की रेहड़ी है।

दुखद है लेकिन दिलचस्प है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेजों में अनेक कोर्स में इस अकादमिक सत्र में सीटें खाली रह गईं। दाखिला कराने छात्र नहीं पहुंचे। देश में पांच हजार से ज्यादा ऐसे स्कूलों की पहचान हुई है, जहां एक भी छात्र नहीं हैं। दस से कम छात्रों वाले स्कूलों की संख्या 2022-23 में 52 हजार थी, जो 2024-25 में बढ़ कर 65 हजार हो गई है। सोचें, एक तरफ ऐसी बेहिसाब भीड़ और दूसरी ओर स्कूल, कॉलेजों में छात्र नदारद हैं! कहां जा रहे हैं स्कूल जाने वाले बच्चे? इसकी पड़ताल होनी चाहिए कि क्या कागजों पर स्कूल चलाए जा रहे हैं या सचमुच पढ़ने वाले बच्चे कम हो गए? भीड़ तो कम नहीं हुई फिर स्कूल, कॉलेजों में छात्र कैसे कम हो रहे हैं? इंजीनियरिंग और एमबीए कॉलेजों के बंद होने की खबरें पुरानी हो गईं।

वेनेज़ुएला के अपहृत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो तीसरे विश्व युद्ध के कारक बनेंगे ?

303 मिलियन बैरेल का क्रूड ऑयल के विशाल भंडार समाए बेहद गरीब देश है। 1970 में वेनेज़ुएला दुनियां के पांच अमीर देशों में से एक था।

अजय दीक्षित

अमेरिका की फौज द्वारा अपहृत वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो घटना ने,हो सकता है कि तृतीय विश्व युद्ध की नींव रख दी। यह सही है कि राष्ट्रपति मादुरो भी फर्जी चुनाव कराने, भ्रष्टाचार से जुड़े है लेकिन अमेरिका कोई हक नहीं कि वह किसी संप्रभु देश में इस तरह की कार्यवाही करे। अमेरिका डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में 21वीं सदी में इतना बड़ा साम्राज्य वादी देश बन सकता है यह अनुमान नहीं था क्योंकि पहले कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार कहा था कि हमें अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद जैसा नहीं सोचना चाहिए। वेनेज़ुएला की इस घटना ने जैसे अमेरिका को नंगा कर दिया है कि कैसे अमेरिका विकसित राष्ट्र होते हुए भी गरीब देशों पर गिद्ध दृष्टि रखे है। डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार ग्रहण करने बाद पहले टैरिफ बार शुरू किया अब तो दादागिरी पर उतर आया है। यूएनओ और तमाम मानव अधिकार संगठनों को जैसे तक पर रख दिया है। सच्चाई तो यह है कि यूएनओ को तो बंद कर देना चाहिए। इस संस्थान में कोरे भाषण होते रहते हैं।

9 लाख वर्ग किलोमीटर में फैले तीन करोड़ आबादी वाले देश वेनेज़ुएला इन दिनों भीषण अव्यवस्था से घिरा है। वेनेज़ुएला 303 मिलियन बैरेल का क्रूड ऑयल के विशाल भंडार समाए बेहद गरीब देश है। 1970 में वेनेज़ुएला दुनियां के पांच अमीर देशों में से एक था। क्रूड ऑयल से कमाया धन वेनेज़ुएला सरकार ने देश में बहुत सी फ्री योजनाएं चलाई ।यहां तक कि नागरिकों महंगी शराब पीने के लिए उपलब्ध करा दी । वेनेज़ुएला के नागरिक सरकारी खर्चे पर विदेश चले जाते थे।1979 के दौर में वेनेज़ुएला में सभी तरह का उत्पादन बंद हो गया था केवल क्रूड ऑयल से कमाया धन से सब्जी, फल, अनाज, सब्जियां, कपड़े, बिल्डिंग मटेरियल आयात किया जाता था।सने सने वेनेज़ुएला का मुद्रा क्रोन की कीमत कम होती गई।2011 में हालत ऐसे हो गए कि वेनेज़ुएला की मुद्रा क्रोन तोल के हिसाब से देकर वस्तुएं अनाज, सब्जियां, कपड़े, बिल्डिंग मटेरियल, अंडे दुकानों से खरीदने पड़ते हैं। सरकार बड़ी संख्या में मुद्रा क्रोन छापनी पड़ती है। ऊपर से पहले शादेब और बाद निकोलस मादुरो फर्जी चुनाव कराकर सत्ता में बैठे थे। नोबल पुरस्कार विजेता

मार्चर्डो लगातार निकोलस मादुरो के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। लेकिन अमेरिका के इस कृत्य से कोलंबिया, ब्राजील, ग्रीन लैंड,रूस, चीन में चिंता की लकीरें देखी जा रही है। यूक्रेन, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, अन्य यूरोपीय देशों में यह आशंका फैल रही है कि कल को रूस , इसराइल,चीन जैसे शक्तिशाली राष्ट्र ने अपने हितों के लिए राष्ट्रपति को अपहृत करना शुरू कर दिया तो तृतीय विश्व युद्ध की नींव पड़ सकती है। आगामी दिनों में ईरान के अयातुल्ला खोमानी,पर इस तरह का संकट आ सकता है। इस घटना से परमाणु हथियारों को हासिल करने की होड़ भी बढ़ने वाली है। दुनियां हथियारों खरीद भी बढ़ेंगी जिसमें कमजोर राष्ट्र पिस जायेगे। दूसरी ओर चीन, अमेरिका,रूस, फ्रांस, इटली,जैसे हथियार बनाने वाले देश तेजी से हथियार बनाने में लग जाएंगे।एक नए तरीके के उपनिवेशवाद का जन्म होगा ।जहां ताकतवर राष्ट्र कमजोर राष्ट्र पर कब्जा कर उनके संसाधनों का दोहन करेंगे । सोचिए अगर कल को पुतिन जलेशकी का अपहरण कर किस्सा ही खत्म कर दे। और पूरे यूक्रेन को अपना उपनिवेश बना ले ऐसा ही कुछ ईरान में घट सकता है। केवल परमाणु हथियारों की क्षमता वाले देशों पर यह संकट पैदा नहीं हो सकता क्योंकि परमाणु युद्ध का अंदेशा है। शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका किस हद तक दूसरे राष्ट्रों का शोषण करता है उसकी बानगी देखिए कि सऊदी अरब, कुवैत,यमन, दोहा,को तेल भंडारों के बदले अमेरिका के बे हिसाब हथियार खरीदने पड़ते हैं। अकेले सऊदी अरब के पास 400 एफ 16 लड़ाकू विमानों का बेड़ा है।

टिप्पणी

कर्मकांड का वह दौर लौट आया

भारत दर्शन का मतलब भीड़ का दर्शन है। नए साल की शुरुआत देश भर के धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, होटलों या रेस्तरां में भीड़ की खबरों से हुई है। पिछले एक हफ्ते से देश के अलग अलग धर्मस्थलों से लोगों के जुटने की जैसी खबरें आईं, उनसे इस बात की पुष्टि हुई कि भारत के लोगों को ज्यादा से ज्यादा धार्मिक बनाने का भारत सरकार और भाजपा का प्रोजेक्ट सफल हुआ है। एक समय 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' के नारे लगते थे लेकिन तब लोग इस पहचान को लेकर इतने सीरियस नहीं थे। आज यह नारा नहीं लगता है लेकिन लोग अपनी हिंदू पहचान को लेकर सचमुच सीरियस हैं और इसके प्रदर्शन का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी वजह से कर्मकांड का वह दौर लौट आया है, जिसे भारत पीछे छोड़ चुका था।

नए साल में और आने वाले कई सालों में इसी वजह से हर जगह भीड़ बढ़ेगी। मंदिरों में भीड़ बढ़ेगी, कथावाचकों के प्रवचनों में भीड़ बढ़ेगी तो ज्योतिष और कर्मकांड करने वालों की भीड़ भी बढ़ती जाएगी। नेताओं की सभाओं में भीड़ बढ़ेगी तो फिल्मी सितारों को देखने के लिए भी भीड़ उमड़ेगी। दुनिया भर के कलाकार भारत में शो करने या कन्सर्ट के लिए आ रहे हैं क्योंकि भारत के पास 140 करोड़ की भीड़ है। 2025 को विदाई देने के लिए जितने भी कार्यक्रम हुए सबमें भीड़ उमड़ी।

नए साल के मौके पर खबर है कि देश के सभी धार्मिक स्थलों पर लाखों लोगों की भीड़ जुटी। अयोध्या में साल के पहले दिन पांच लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। पिछले एक हफ्ते में 20 लाख से ज्यादा लोगों ने अयोध्या में दर्शन किए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में एक जनवरी, गुरुवार को शाम तक पांच लाख लोग दर्शन कर चुके थे और भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन ने लोगों से पांच जनवरी तक वृंदावन नहीं आने की अपील की है। उधर उज्जैन के महाकाल मंदिर भी श्रद्धालुओं की भीड़ 31 दिसंबर की आधी रात से ही लाइन में खड़ी थी। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन बंद करना पड़ा।

राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए देश भर के लोग पहुंचे। करीब छह लाख लोग 15 से 17 किलोमीटर तक पैदल चले और दर्शन किया। इसी तरह चितौड़गढ़ में सावंलिया सेठ के दर्शन के लिए लाखों लोग जुटे। भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन को भगवान के सोने और श्रृंगार के समय में कटौती करनी पड़ी और 15 घंटे में करीब पांच लाख लोगों ने दर्शन किए। चुरू के सालासर बालाजी के मंदिर में 31 दिसंबर को आधी रात के बाद दर्शन शुरू हो गए और एक जनवरी के डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए। गुजरात में सोमनाथ से लेकर द्वारका और बनासकांठा में अंबाजी मंदिर तक और उत्तर प्रदेश में काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर झारखंड के देवघर मंदिर तक भक्तों की कतार लगी रही। दिल्ली के कालकाजी और झंडेवालान मंदिर में भी भक्तों की भीड़ ने नए रिकॉर्ड बनाए।

ब्लॉग

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

उमेश चतुर्वेदी

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, "मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी" निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, "सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीज़ें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी ज़रूरत।"

तीन जनवरी को वेनेज़ुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में

अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया।

कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर। कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई। इस दौरान युद्धरत देशों, उनके नागरिकों, सैनिकों आदि के मानवीय अधिकारों की रक्षा करने को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं। इसके तहत कुछ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की परिकल्पना की गई और युद्ध के प्रभाव को सीमित करने और युद्धबंदियों के अधिकारों के संरक्षण की कोशिश शुरू हुई। जेनेवा में आखिरी समझौता 1949 में हुआ। जिनेवा कन्वेंशन का मकसद युद्ध के वक्त मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिये कानून तैयार करना है। 1949 के समझौते में शामिल दो प्रोटोकॉल 1977 में जोड़े गए। आज तकरीबन पूरी दुनिया ने इस पर हस्ताक्षर किया है। इस लिहाज से जेनेवा समझौते को सभी देश मानते हैं। जेनेवा समझौते के अनुसार हर देश की अपनी संप्रभुता है और उसकी रक्षा ना सिर्फ युद्ध बल्कि शांति काल में भी होती है। यानी उसके नियम और कानून युद्ध, शांति और संकट काल, हर वक्त लागू होते हैं। इस संदर्भ में देखें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह कहना कि उनकी अपनी नैतिकता ही उन्हें किसी भी कार्रवाई से रोक सकती है। ट्रंप ने यहां तक कहा है कि जहां उन्हें लगेगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून मानना चाहिए, वहां तो उसे वे मान लेंगे और जहां नहीं लगेगा, वहां नहीं मानेंगे।

अमेरिकी दादागिरी के इतिहास में ट्रंप का यह बयान दुनिया की सोच से आगे है। चीन, ब्राजील और भारत के खिलाफ वे टैरिफ युद्ध चला ही रहे हैं, रूस से तेल खरीदने के आरोप की आड़ में वे तीनों देशों पर अब 25 प्रतिशत की बजाय पांच सौ प्रतिशत टैरिफ थोपने की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से उनसे कोई सकारात्मक उम्मीद रखना बेमानी ही है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकवाने को लेकर उनका कल्पित दावा हो या फिर ग्रीनलैंड, कोलंबिया, ईरान, मैक्सिको और क्यूबा को लेकर दी गई धमकी, सभी अमेरिकी दादागिरी का ही उदाहरण हैं। माना जा रहा है कि वे उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकते हैं। ट्रंप पहले ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कर चुके हैं और इस तरह अपने पड़ोसियों और यूरोप के अपने पारंपरिक सहयोगियो को ना सिर्फ आशंकित, बल्कि नाराज भी कर चुके हैं। अमेरिकी दादागिरी पूरी दुनिया देखती और समझती रही है। लेकिन एक साथ इतने मोर्चे खोल देने की ट्रंप की नीति के खिलाफ अमेरिका में ही आवाजें उठने लगी हैं। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का कहना कि वेनेजुएला में की गई कार्रवाई की जरूरत नहीं थी और इससे अमेरिका को लेकर संघर्ष बढ़ेगा, एक तरह से अमेरिका की बढ़ती चुनौतियों का ही संकेत देता है। ट्रंप की मनमानी नहीं रूकी, अमेरिकी दादागिरी का ऐसा ही दौर उन्होंने जारी रखा तो आने वाले दिन दुनिया के लिए भले ही चुनौतीपूर्ण होंगे,अमेरिका भी कई तरह की चुनौतियों और वैश्विक प्रतिरोध को झेलने के लिए अभिशप्त हो जाएगा। शांति की चाहत रखने वाली दुनिया को अमेरिकी मनमर्जी पर कहीं न कहीं रोक तो लगानी ही होगी।

तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी समेत अन्य के खिलाफ दर्ज नहीं हुआ केस, हाईकोर्ट जाने की तैयारी में पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व तत्कालीन कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर समेत 22 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है। बल्कि संभल पुलिस मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल करने की तैयारी में जुटी है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि हाईकोर्ट में अपील कर आदेश को निरस्त कराने की मांग करेंगे।

क्योंकि पुलिस की ओर से बवाल में गोली ही नहीं चलाई गई थी। युवक को जो गोली लगी है, वह भी पुलिस की नहीं है। युवक के पिता ने निराधार आरोप लगाए हैं। संभल के तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी का प्रमोशन हो चुका है और वह वर्तमान में फिरोजाबाद में एएसपी के पद पर

तैनात हैं।

संभल कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी अनुज तोमर की तैनाती चंदौसी कोतवाली में है। अनुज चौधरी व अनुज तोमर को खग्गू सराय निवासी यामीन ने नामजद किया है। 15 से 20 अज्ञात पुलिसकर्मी अर्जी में बताए हैं। इन सभी पर बवाल में गोली चलाने का आरोप है।

यामीन का यह भी आरोप है कि उसके बेटे आलम को पुलिसवालों की तीन गोलियां लगी हैं। बवाल में बेटे को आरोपी बनाया गया है, जबकि आलम ठेले पर बिस्किट बेचने का काम करता है और वह 24 नवंबर की सुबह भी बिस्किट बेचने के लिए ही निकला था। इस दौरान ही पुलिस ने गोली चलाई। जिसमें बेटा घायल हुआ।

छिपकर उपचार कराया, तब कहीं जाकर जान बची। हालांकि यामीन के सभी आरोप डीएम और एसपी ने नकार दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बवाल 7:45 बजे के भीड़ ने कर दिया था। ठेला जामा मस्जिद तक पहुंच नहीं सकता था। पुलिस-प्रशासन की थ्री लेयर सुरक्षा थी। ऐसे में ठेला लेकर युवक के पहुंचने का सवाल ही नहीं उठता है।

पहले से ही दिव्यांग है आलम

22 वर्षीय आलम की बहन रजिया ने बताया कि उनका भाई तो पहले से दिव्यांग है। तीन पहिया ठेले से बिस्किट बेचता है। गोली लगने के बाद किसी तरह जान तो बच गई है लेकिन शरीर पूरी तरह कमजोर हो गया है। बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है। पिता के अलावा भाई भी कमाता था जिससे घर का खर्च चलता है। लेकिन इलाज में उधार तक हो गया है।

यामीन की बेटी बोली-उन्हें धमकाया जा रहा

यामीन की बेटी रजिया ने बताया कि उनका भाई तो मजदूरी पेशा है। तीन गोलियां लगी थीं। बमुश्किल जान बची है। हमारी अधिकारियों ने सुनवाई नहीं की तो पिता कोर्ट पहुंचे। जहां से न्याय मिलने की उम्मीद है। एक वर्ष से हमारा पूरा परिवार परेशान है। घर पर पुलिस आती है और धमकाती है। हमारे पिता और भाई कहीं चले गए हैं। पूरा परिवार डरा हुआ है।

मकर संक्रांति पर 20 हजार श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सुल्तानपुर जिले में मकर संक्रांति पर्व पर आदि गंगा गोमती के तट पर स्थित सीताकुंड घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बृहस्पतिवार को सुबह 5 बजे से ही हजारों श्रद्धालुओं ने गोमती नदी में डुबकी लगाई और दान-पुण्य किया। इस दौरान लोगों ने परिवार के साथ पूजा-अर्चना भी की। श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को खिचड़ी दान की। शहर के परशुराम चौराहे पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जहां राहगीरों में खिचड़ी और तिल बांटे गए। इसके अतिरिक्त, शहर के विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ, जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा तिलक धारी दास ने मकर संक्रांति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "यह वह समय है जब संक्रांति बदलती है और सभी शुभ कार्यों की शुरुआत होती है। इस दिन गंगा या पवित्र नदियों में स्नान और दान का विशेष महत्व है। 'स्नान-दान' करने से मनुष्य को बहुत लाभ और पुण्य मिलता है, इसीलिए सभी लोग आज श्रद्धा के साथ डुबकी लगाते हैं। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन किया गया दान और पवित्र स्नान जीवन में सुख-समृद्धि लाता है। सुल्तानपुर के स्थानीय निवासियों ने भी परंपरा के अनुसार खिचड़ी का आनंद लिया और तिल-गुड़ का दान किया। गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि संस्था ने घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया और श्रद्धालुओं के लिए अलाव की व्यवस्था की। उन्होंने जानकारी दी कि लगभग बीस हजार लोगों ने आज सीताकुंड घाट पर डुबकी लगाई। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से घाट पर व्यापक प्रबंध किए गए थे। इसमें 4 एसएचओ, 35 सिपाही और 20 महिला कांस्टेबल तैनात किए गए थे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बरसाना में 24 फरवरी को लड्डू और 25 को लठामार होली, कार्यक्रम हुआ जारी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। विश्व प्रसिद्ध बरसाना की होली का कार्यक्रम तय हो चुका है। 24 फरवरी से 26 फरवरी तक बरसाना और नंदगांव राधा-कृष्ण प्रेम की जीवंत लीला के साक्षी बनेंगे। श्रीजी मंदिर में लड्डू होली से उत्सव का शुभारंभ होगा। अगले दिन राधारानी के आंगन में लाठियों की गूंज उठेगी और तीसरे दिन नंदगांव में प्रेम रस की लीला होगी। देश-विदेश के श्रद्धालु इस दिव्य उत्सव में शामिल होंगे।

बरसाना की होली केवल तीन दिनों का पर्व नहीं, बल्कि चालीस दिवसीय परंपरा है। वसंत पंचमी पर श्रीजी मंदिर में होली का डांडा गढ़ते ही उत्सव शुरू हो जाता है। मंदिर में समाज गायन फाल्गुन पूर्णिमा तक चलता है और महाशिवरात्रि को लठामार होली की प्रथम चौपाई निकलते ही राधारानी के आंगन की लीला का विधिवत शुभारंभ हो जाता

है। बरसाना-नंदगांव की लठामार होली कोई साधारण उत्सव नहीं, बल्कि विक्रम संवत 1569 से चली आ रही भक्ति और प्रेम की परंपरा है। रसिक संत नारायण भट्ट द्वारा शुरू की गई यह लीला आज भी उसी उल्लास और मर्यादा के साथ निभाई जाती है।

कार्यक्रम के अनुसार, 24 फरवरी को लड्डू होली के साथ फाल्गुन महोत्सव अपने मुख्य चरण में प्रवेश करेगा। प्रसाद हाथों में पड़ते ही फाग की तान गूंज उठेगी और पूरा धाम गुलाल में रंग जाएगा। 25 फरवरी को बरसाना की लठामार होली होगी। रंगीली गली में हुरियारिन घूंघट ओढ़े लाठियां थामेंगी। नंदगांव के हुरियारे ढाल सजाकर राधा के आंगन में पहुंचेंगे। पहली लाठी की थाप के साथ जय राधे का उद्घोष गूंजेगा। 26 फरवरी को यही लीला नंदगांव में सजेगी। बरसाने की गोपियां नंदगांव की गलियों में फाग गीतों, ढोल-नगाडों की धुन पर थिरकेंगी। उधर, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को लेकर मंदिर सेवायत, आयोजन समितियां और प्रशासन तैयारियों में जुट गए हैं।

मंदिर सेवायत रास बिहारी गोस्वामी ने बताया कि वसंत पंचमी पर श्रीजी मंदिर में होली का डांडा गढ़ते ही चालीस दिवसीय होली उत्सव की शुरुआत होती है। इसी दिन से मंदिर में समाज गायन चलता है और महाशिवरात्रि को प्रथम चौपाई निकलते ही लठामार होली शुरू होती है। ब्रजाचार्य पीठ के प्रवक्ता घनश्याम भट्ट ने कहा कि लठामार होली राधा-कृष्ण प्रेम की परंपरा को दर्शाती है।

सातवें इमाम हजरत की शहादत पर अमहट में निकला जुलूस

सुलतानपुर। वृहस्पतिवार को सातवें इमाम हजरत इमाम मूसा काजिम अलैहिस्सलाम की शहादत के मौके पर खालिक अली की तरफ से सुबह 10बजे हुसैनिया नौतामीर गोराबारिक अमहट में एक मजलिस का आयोजन किया गया जिसमें पेश ख्वानी आबिस सुलतानपुरी, सज्जाद सुलतानपुरी अंसार सुलतानपुरी ने की और मजलिस मौलाना कम्बर अली रायबरेली ने पढ़ी उन्होंने कहा कि इमाम मूसा काजिम अलैहिस्सलाम के दौर में इराक का शासक मामूनरशीद था उसने इमाम मूसा काजिम अलैहिस्सलाम को 15साल तक हथकड़ी और बेड़ी में बगदाद की जेल में रखा और आज ही की तारीख में उन्हें जेल में जहर देकर शहीद कर दिया और शहादत के बाद लाश को बगदाद के पुल पर लाकर रख दिया जिसे दफन किया गया ।इसी याद में यह जुलूस निकाला जाता है ।इसके बाद शबीहे ताबूत हुसैनिया नौतामीर अमहट से उठकर हुसैनिया नजर अली शाह पर जुलूस की शक्ल में जाकर समाप्त हुआ।

रायबरेली की आनंद डेयरी में इनकम टैक्स का छापा, प्लांट परिसर में मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर के फतेहपुर रोड पर कोतवाली गेट के सामने स्थित आनंद डेयरी प्लांट में बृहस्पतिवार सुबह इनकम टैक्स विभाग की टीम ने छापा मारा। अचानक हुई कार्रवाई से प्लांट परिसर में हड़कंप मच गया। अधिकारी गहन जांच में जुटे हुए हैं।

सुबह हरियाणा और दिल्ली नंबर की कई गाड़ियों से इनकम टैक्स के अधिकारी प्लांट पहुंचे। टीम के पहुंचते ही मुख्य गेट बंद कर दिया गया। प्लांट में मौजूद कर्मचारियों को बाहर निकलने से रोक दिया गया।

जांच के दौरान अंदर मौजूद सभी कर्मचारियों के मोबाइल फोन जमा कर लिए गए। सुबह की शिफ्ट में काम पर पहुंचे कर्मचारियों को भी मोबाइल जमा करने के बाद ही अंदर प्रवेश दिया गया। इससे कर्मचारियों में दहशत और असमंजस का माहौल रहा। सूत्रों के अनुसार इनकम टैक्स टीम ने प्लांट के कार्यालय में रखे कंप्यूटर, लैपटॉप और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं। अधिकारी रिकॉर्ड खंगालने में लगे हैं। आय-व्यय से जुड़े कागजातों की बारीकी से जांच की जा रही है। छापे की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में भी चर्चा तेज हो गई। बड़ी संख्या में लोग प्लांट के बाहर जमा हो गए। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। देर शाम तक कार्रवाई जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

मां की लाश को कंधा देने वाला भी नहीं कोई ...पिता की पहले ही हो चुकी है मौत

आर्यावर्त संवाददाता

एटा। एटा के गांव नगला धीरज से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बदनसीब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पहले पिता की मौत हुई और अब लंबी बीमारी से जूझते हुए मां ने भी दम तोड़ दिया। जीवन की आखिरी ढाल टूटने के बाद अब भाई-बहन पूरी तरह बेसहारा हो गए हैं।

मां का पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पर रखा हुआ है। बालक का कहना है कि अंतिम संस्कार के लिए परिवार का कोई सदस्य आगे नहीं आ रहा। न कोई कंधा देने वाला है और न ही कोई जिम्मेदारी उठाने को तैयार है। बालक कभी मां के निस्तेज चेहरे को देख रहा है, तो कभी आसपास खड़े लोगों की ओर उम्मीद भरी निगाहों से ताक रहा है। बच्चे ने अपने ही अन्य परिवारजन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बालक का कहना है कि उनकी जान को खतरा है। जान से मारने की धमकी दी जा रही है। ऐसे में भाई बहन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

थाना प्रभारी जैथरा रितेश ठाकुर ने बताया कि पोस्टमार्टम करने के बाद उनका अंतिम संस्कार उनकी ओर से कराया जाएगा। इसके अलावा बालक की ओर से लगाए जा रहे आरोपों की भी जांच करते हुए। इनको सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

दीपांशु रावत ने पीएम के सामने 2047 के स्टार्टअप विजन पर रखे विचार

धनपतगंज/सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले के धनपतगंज विकासखंड की सरैया भरथी कामापुर के युवा प्रतिनिधि दीपांशु रावत ने 'विकसित भारत 2047' के स्टार्टअप विजन को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्हें नई दिल्ली के भारत मंडपम में 9 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित 'विकसित भारत यूथ लीडर डायलॉग 2026' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के लिए देशभर से 50 लाख से अधिक छात्रों ने प्रारंभिक क्विज में भाग लिया था। इसके बाद जिला, मंडल और राज्य स्तर की कठिन चयन प्रक्रिया के बाद दीपांशु रावत का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। संवाद कार्यक्रम में उन्होंने 'विकसित भारत 2047: स्टार्टअप के माध्यम से राष्ट्र निर्माण' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी।

भाजपा एमएलसी के घर में घुसे दबंग, विरोध पर मैनेजर से अभद्रता, पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

फरीदपुर (बरेली)। बरेली के फरीदपुर कस्बा में झगड़े के दौरान एक युवक का पीछा करते दूसरे समुदाय के दबंग लोग बुधवार देर शाम विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कुंवर महाराज सिंह के आवास में घुस गए। इसका विरोध करने पर दबंगों ने उनके मैनेजर से अभद्रता की। पुलिस ने दोनों पक्ष के पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है।

कस्बा के मोहल्ला फर्रखपुर निवासी पंचम यादव की सब्जी मंडी में मीट की दुकान है। वहीं पर गुड्डु अली की कॉस्मेटिक व चूड़ियों की दुकान है। पंचम और गुड्डू में बुधवार देर शाम किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। आरोप है कि गुड्डु ने अपने 25 साथी बुला लिए। दबंगों के चंगुल से छूटकर पंचम बचने के लिए करीब

आधा किमी दौड़ा और एमएलसी के घर में घुस गया।

दबंगों ने की गाली गलौज

घर में बैठीं एमएलसी की पत्नी कामिनी सिंह व मैनेजर डिंपल सिंह ने पंचम यादव को पकड़ लिया। वह उसे पकड़कर बाहर ला रही थीं। इसी दौरान गुड्डु व उसके साथी भी एमएलसी के आवास में घुस गए। वे गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। एमएलसी की पत्नी व उनके मैनेजर ने हमलावरों के आवास में घुसने का विरोध किया। इस पर दूसरे समुदाय के दबंगों ने मैनेजर से अभद्रता की। इससे एमएलसी की पत्नी और मैनेजर घबरा गए।

बरेली में बैठक छोड़कर घर पहुंचे एमएलसी

हमलावरों के साथ भीड़ को देखकर मैनेजर ने एमएलसी को फोन कॉल की। वह बरेली में मीटिंग में बैठे थे। उन्होंने इंस्पेक्टर फरीदपुर को कॉल कर अपने आवास पर जाने के लिए कहा। खुद भी मीटिंग छोड़कर घर के लिए निकले। पुलिस को देख हमलावर वहां से भाग गए। पुलिस ने पांच को हिरासत में ले लिया। गुड्डू व उसके अन्य साथियों की तलाश में पुलिस की पांच टीमें लगाई गई हैं। एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने बताया कि वह बरेली में पार्टी संगठन की मीटिंग में थे। इस दौरान सूचना मिली कि घर पर कुछ दबंग घुस गए हैं। तब पुलिस को घटना के बारे में बताया। दबंगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है।

अचानक क्यों बढ़े हार्ट अटैक के मामले? 40 से कम उम्र के लोगों को बड़ा खतरा, सिर्फ सात आदतें बदलें

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। कम नींद, तनाव और कोलेस्ट्रॉल। हार्टअटैक की ये तीन बड़ी वजह बन रही हैं। धूम्रपान-एल्कोहल की लत है तो इससे खतरा तीन गुना और है। एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में आने वाले हार्टअटैक के 40 फीसदी मरीजों में यही वजह मिल रही हैं।

हृदय रोग विभाग के डॉ. सौरभ नागर ने बताया के ओपीडी में रोजाना 120 से अधिक मरीज आ रहे हैं। चौंकाने वाली बात है कि इनमें 35 साल से कम उम्र के मरीजों की संख्या बीते साल भर में डेढ़ गुना हो गई है। मरीजों से पूछताछ में पाया कि देर रात तक मोबाइल, लैपटॉप पर कार्य करते हैं। औसतन रोजाना 5 घंटे सोते हैं, कई बार बीच में भी नींद खुल जाती है। सप्ताह में तीन से पांच दिन तले हुआ और बाजार में बनी खाद्य सामग्री उपयोग करते हैं।

धूम्रपान-शराब भी पी लेते हैं। इसके चलते इनमें कार्डियक अरेस्ट भी हो रहा है। कॅरिअर, नौकरी, कार्य का दबाव, आर्थिक समस्याओं के कारण तनाव में भी रहते हैं। बाहरी खानपान से वसा जमने से नलिकाएं संकुचित हो जाती हैं। तनाव से नसों पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्लॉकेज होने से हार्टअटैक के मरीज आ रहे हैं।

हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ. वसंत गुप्ता ने बताया कि इमरजेंसी में हार्ट अटैक के रोजाना 20-25 मरीज भर्ती हो रहे हैं। इनमें से इनमें 40 साल से कम उम्र के मरीज करीब 50 फीसदी हैं। अधिकांश में मोटापा धूम्रपान, नींद कम लेना, तनाव और खराब फिटनेस मिल रही है। इनमें 25 फीसदी में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी समस्या मिली। कैथ लैब में भी अभी तक 1100 ऑपरेशन हो चुके हैं, इनमें भी युवाओं की संख्या आधी है।

केस एक:

सदर निवासी 32 साल का युवक निजी कंपनी में काम करते हैं। नाश्ता और लंच बाहर से करते हैं। हर दिन 3-5 सिगरेट और रात को एल्कोहल की आदत है। देर रात तक जागते हैं। मोटापा बढ़ गया। इसे बीमारी नहीं समझ रहे थे, यहां तक कि मधुमेह की जद में आ गए। हार्टअटैक आया, एसएन में इलाज कराने के बाद बमुश्किल जान बची।

केस दो:

आवास विकास कॉलोनी के 34 साल का युवक निजी कंपनी में सेल्स विभाग में हैं। खाने-पीने का समय नहीं, दिन-रात कार्य और लक्ष्य को पूरा करने का तनाव रहता है। नींद भी पूरी तरह से नहीं ले पाते। चार साल की नौकरी में घबराहट, पसीना और सीने में दर्द की परेशानी होने लगी। एसएन में जांच कराने पर हृदय रोग मिला।

इनको अपनाएं, हृदय रोग से होगा बचाव:

- धूमपान-शराब पूरी तरह से बंद कर दें।
- एकमुश्त आठ घंटे की नींद लें।
- 24 घंटे में तीन लीटर पानी जरूर पीएं।
- रोजाना 10 हजार कदम तेज गति से चलें।
- फास्ट फूड और बाजार के भोजन से पेट न भरें।
- छोटी दूरी के लिए पैदल या साइकिल से जाएं।
- हरी सब्जी, सलाद, फल, ड्राईफ्रूट्स खाएं।

एनर्जी एक्सपर्ट ने अफसरों से बैठक कर लिया फीडबैक

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार समूह के सदस्य एवं एनर्जी एक्सपर्ट रविकांत मिश्रा ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सोलर पंप के लाभार्थियों एवं सोलर पंप प्रदाता वेंडर, विद्युत विभाग एवं यूपी नेडा के अधिकारियों के साथ सोलर पंप के विस्तार एवं सोलर रूफ टॉप के संबंध में संवाद किया। उन्होंने पीएम कुसुम योजना अंतर्गत किसानों के यहां स्थापित सोलर पंप से हो रहे लाभ के संबंध में वार्ता की। पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित सोलर रूफ टॉप के लाभार्थियों से भी फीडबैक लिया। किसानों के बीच सोलर पंपों की घटती मांग के संबंध में उनके द्वारा जानकारी चाही गई, जिस पर उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया कि वर्तमान समय में सिंचाई हेतु मुफ्त बिजली आपूर्ति, विद्युत चलित पंपों की अपेक्षा सोलर पंप से पानी कम डिस्चार्ज होना, छतो पर न लगाया जाना आदि प्रमुख कारण है। लाभार्थियों द्वारा बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना से स्थापित सोलर से उनके बिजली के बिल में कमी आई है साथ ही स्थापित सोलर में किसी भी प्रकार का मेंटेनेंस नहीं है सूर्य की रोशनी से बिजली उत्पादित कर बिजली के बिल भी बचत कर रहे हैं। मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, उप कृषि

निदेशक डॉ वीबी द्विवेदी, परियोजना प्रभारी नेडा, जिला कृषि अधिकारी, अधिशासी अभियंता विधुत, पीएम कुसुम के वेंडर एवं पीएम सूर्य घर के वेंडर और लाभार्थी किसान आदि उपस्थित रहे। इसके बाद बक्सा क्षेत्र के बबुरा गांव निवासी कृषक राम यश यादव के यहां स्थापित पीएम सूर्य घर एवं मुक्त बिजली योजना अंतर्गत स्थापित सोलर रूफ टॉप एवं पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत स्थापित सिंचाई हेतु सोलर पंपों का स्थलीय सत्यापन कर किसानों से फीडबैक भी लिया गया। किसानों द्वारा बताया गया कि सोलर पम्प मरम्मत हेतु उत्तर दायित्व निर्धारित किया जाय तो इससे किसानों की रुचि बढ़ेगी एवं कृषि का सतत विकास होगा।

क्या फोन देखने से डार्क सर्कल होते हैं ? जानें सच्चाई और इन्हें दूर करने का तरीका

ज्यादा फोन मत चलाओ....आंखों के नीचे डार्क सर्कल हो जाएंगे....ये बात आपने भी अक्सर सुनी होगी। यहां हम आपको इसकी सच्चाई बताएंगे। साथ ही बताएंगे डार्क सर्कल कम करने का आसान नुस्खा।

आज के डिजिटल दौर में मोबाइल, लैपटॉप और स्क्रीन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। देर रात तक फोन चलाना, सोशल मीडिया स्क्रॉल करना और कम नींद लेना अब आम आदत बन गई है। ऐसे में लोगों को लगता है कि इस कारण आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं। पर क्या ये वाकई सच है ?

क्या सच में मोबाइल फोन का ज्यादा इस्तेमाल डार्क सर्कल की वजह बनता है, या ये सिर्फ एक आम मिथक है? इस बारे में हम बात करेंगे। हम ये बात इसलिए भी कर रहे हैं, क्योंकि आंखों के नीचे काले घेरे न सिर्फ चेहरे की खूबसूरती कम करते हैं, बल्कि थकान और खराब लाइफस्टाइल का संकेत भी होते हैं।

कई लोग महंगे क्रीम और ट्रीटमेंट पर पैसा खर्च करते हैं, लेकिन असली कारण को नहीं समझते। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि फोन इस्तेमाल और डार्क सर्कल के बीच क्या संबंध है, इसकी सच्चाई क्या है और इन्हें कम करने के आसान घरेलू उपाय कौन-से हैं।

सीधा कारण नहीं, पर असर जरूर

लंबे समय तक स्क्रीन देखने की आदत नींद के पैटर्न को बिगाड़ देती है।

जब शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिलता, तो आंखों के नीचे की त्वचा फीकी और पतली हो जाती है।

इससे आंखों के नीचे मौजूद नसें ज्यादा उभरकर दिखती हैं, जो डार्क सर्कल का मुख्य कारण बनती हैं।

ब्लू लाइट का असर

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों पर दबाव डालती है और मेलाटोनिन हार्मोन के स्राव को कम करती है।

इससे नींद में देरी होती है और आंखों में थकान बढ़ती है।

डार्क सर्कल कम करने के घरेलू नुस्खे...

पहला नुस्खा

टी-बैग में मौजूद कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों के नीचे की सूजन और काले घेरे कम करने में मदद करते हैं।

इसके लिए सबसे पहले दो टी-बैग को गर्म पानी में डालकर निकालकर फ्रिज में 10–15 मिनट तक ठंडा करें।

अब आंखें बंद करके एक-एक टी-बैग दोनों आंखों पर रखें। करीब 15 मिनट तक ऐसे ही लेटे रहें।

इसके बाद सादा पानी से आंखें धो लें।

दूसरा नुस्खा

खीरे में पानी की मात्रा ज्यादा होती है और इसमें मौजूद विटामिन C व एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को ठंडक देते हैं।

ताजा खीरे को पतले स्लाइस में काट लें या उसका रस निकाल लें।

स्लाइस को 10–15 मिनट तक आंखों पर रखें या रस को कॉटन की मदद से आंखों के नीचे लगाएं।

तीसरा नुस्खा

बादाम तेल पोषण से भरपूर होता है और विटामिन E त्वचा को रिपेयर करने में मदद करता है।

रात को सोने से पहले कुछ बूंदें बादाम तेल की आंखों के नीचे हल्के हाथ से लगाएं।

इसमें विटामिन E कैप्सूल मिलाकर भी लगा सकते हैं।

नियमित इस्तेमाल से त्वचा मुलायम होती है और काले घेरे धीरे-धीरे कम होते हैं।

बाल पतले हैं तो इन तरीकों से करें उनकी देखभाल, मिलेगा फायदा

अगर आपके बाल पतले हैं तो यकीनन इससे आपको काफी परेशानी होती होगी। पतले बाल न सिर्फ घने दिखते हैं, बल्कि इन्हें संभालना भी मुश्किल होता है। इसके लिए आपको विशेषज्ञों से बालों की देखभाल के सुझाव लेने की जरूरत नहीं है। आप खुद भी कुछ आसान तरीकों से अपने बालों को घना और मजबूत बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय और सुझाव देंगे, जिनसे आपके बालों में जान आ जाएगी।

नारियल तेल का करें इस्तेमाल

नारियल तेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें घना बनाता है। नारियल तेल में मौजूद पोषक तत्व बालों को अंदर से पोषण देते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि थोड़ी-सी मात्रा में नारियल तेल लें और हल्के हाथों से अपनी सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसे रातभर लगाकर रखें और सुबह धो लें। नियमित रूप से इस प्रक्रिया को अपनाने से आपके बाल मजबूत और घने दिखेंगे।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल बालों को नमी देता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाता है, जिससे वे मजबूत होते हैं। इसके लिए ताजे एलोवेरा जेल को अपनी सिर की त्वचा पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। 20 मिनट बाद इसे धो लें। नियमित रूप से इस प्रक्रिया को अपनाने से आपके बालों में नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं, जिससे वे घने और मजबूत दिखते हैं।

गर्म तेल से मालिश करें

गर्म तेल से मालिश करने से खून का संचार बढ़ता है, जिससे बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचता है। इसके लिए सरसों या जैतून का तेल गर्म करें और हल्के हाथों से अपनी सिर की त्वचा पर मालिश करें। इसे रातभर लगाकर रखें और सुबह धो लें। नियमित रूप से इस प्रक्रिया को अपनाने से आपके बाल मजबूत और घने दिखेंगे। यह तरीका आपके बालों को अंदर से पोषण देता है, जिससे वे टूटने से बचते हैं।

सही आहार लें

आपका आहार भी आपके बालों की सेहत पर असर डालता है। विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-ई और प्रोटीन से भरपूर खाने का सेवन करें ताकि आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलें। हरी सब्जियां, फल, दालें और नट्स अपने खाने में शामिल करें। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने पतले बालों को घना और मजबूत बना सकते हैं। इन उपायों का नियमित उपयोग आपके बालों की सेहत को सुधारने में मदद करेगा।

बालों को स्टाइल करते समय न करें ये गलतियां, बिगड़ सकता है लुक

बालों को स्टाइल करना एक कला है, लेकिन इस दौरान कई बार अनजाने में कुछ गलतियां हो जाती हैं, जिनसे हमारा लुक बिगड़ सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपके बाल हमेशा खूबसूरत और स्वस्थ रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने और स्टाइलिंग करते समय इन गलतियों से बचने से आप अपने बालों को बेहतर बना सकते हैं।

गीले बालों पर स्टाइलिंग करना

गीले बालों पर स्टाइलिंग करना एक आम गलती है, जिसे हमें टालना चाहिए। गीले बालों पर हेयरड्रायर या स्ट्रेटनर का इस्तेमाल करने से बाल कमजोर हो सकते हैं और उनकी चमक भी चली जाती है। हमेशा बाल धोने के बाद उन्हें तौलिये से हल्का सुखाएं और फिर किसी हीट प्रोटेक्चटर का इस्तेमाल करें। इसके बाद हीट स्टाइलिंग उपकरणों का उपयोग करें। इससे आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और उनका लुक भी बेहतरीन होगा।

गलत कंघी का चयन

बालों को कंघी करना आसान लगता है, लेकिन गलत कंघी चुनने पर यह एक बड़ी गलती हो सकती है। मोटे दांत वाली कंघी गीले बालों को सुलझाने में मदद करती हैं, जबकि पतली दांत वाली कंघी सूखे बालों को सुलझाने में बेहतर होती हैं। इसलिए हमेशा अपने बालों के प्रकार और स्थिति के अनुसार सही कंघी का चयन करें ताकि आपके बाल उलझे न और उनका स्टाइल भी अच्छा दिखे।

रोजाना शैंपू करना

रोजाना शैंपू करना भी एक बड़ी गलती है, जिससे आपके बाल कमजोर हो सकते हैं। हर दिन शैंपू करने से बालों की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है और वे रूखे हो जाते हैं। इसलिए हफ्ते में दो-तीन बार ही शैंपू करना बेहतर होता है। इसके अलावा गुनगुने पानी का उपयोग करें क्योंकि यह बालों की प्राकृतिक तेल को बनाए रखता है और उन्हें स्वस्थ रखता है। इस तरह आपके बाल मजबूत और चमकदार बने रहेंगे।

बालों पर अधिक उत्पाद लगाना

बालों पर अधिक उत्पाद लगाना भी गलत है क्योंकि इससे बाल भारी हो सकते हैं और उनका लुक खराब हो सकता है। हमेशा जरूरत अनुसार ही उत्पाद का उपयोग करें। अगर आपको लगता है कि कोई उत्पाद आपके बालों पर सूट नहीं कर रहा है तो उसे तुरंत बदल दें। इन गलतियों से बचकर आप अपने बालों को स्वस्थ रख सकते हैं और उन्हें खूबसूरत बना सकते हैं।

छोटे घर को बड़ा दिखाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, लगेगा अच्छा

छोटे घरों में अक्सर जगह की कमी महसूस होती है। हालांकि, कुछ स्मार्ट सुझावों और उपायों की मदद से आप अपने छोटे घर को बड़ा और खुला दिखा सकते हैं। सही रंगों का चयन, फर्नीचर की व्यवस्था, रोशनी और शीशों का उपयोग करके आप अपने घर को अधिक खुला बना सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने छोटे घर को बड़ा और आरामदायक बना सकते हैं।

हल्के रंगों का करें इस्तेमाल

हल्के रंगों का उपयोग आपके छोटे घर को बड़ा और खुला दिखाने में मदद करता है। दीवारों पर सफेद, हल्का नीला या हल्का पीला रंग करें, जिससे रोशनी अच्छे से फैल सके। इसके अलावा फर्श और छत पर भी हल्के रंगों का उपयोग करें। फर्नीचर भी हल्के रंग का चुनें ताकि पूरा माहौल साफ-सुथरा और खुला लगे। इस तरह आपके छोटे घर में भी एक बड़ी और खुली जगह का अहसास होगा।

शीशों का करें उपयोग

शीशों का उपयोग करके आप अपने छोटे घर को बड़ा और रोशन बना सकते हैं। बड़े आकार के शीशों को दीवार पर लगाएं, खासकर उन जगहों पर जहां से प्राकृतिक रोशनी आती हो। यह रोशनी शीशों पर पड़कर पूरे कमरे में फैल जाती है, जिससे कमरा अधिक खुला और बड़ा लगता है। इसके अलावा आप कई छोटे शीशों को मिलाकर एक बड़ा दर्पण बना सकते हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत लगेगा।

फर्नीचर की व्यवस्था

फर्नीचर की व्यवस्था करते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह खुली जगह बनाएं। बड़े-बड़े सोफे या कुर्सियां न रखें बल्कि हल्के और छोटे आकार के फर्नीचर चुनें, जो आसानी से इस्तेमाल किए जा सकें। इसके अलावा फर्नीचर को दीवारों से थोड़ी दूरी पर रखें ताकि चारों ओर हवा आ सके और कमरा खुला दिखे। जरूरत पड़ने पर फर्नीचर को फिर से व्यवस्थित करें ताकि जगह का सही उपयोग हो सके और कमरा अधिक खुला लगे।

प्राकृतिक रोशनी का करें अधिकतम उपयोग

प्राकृतिक रोशनी आपके छोटे घर को बड़ा और रोशन बना सकती है। खिड़कियों पर भारी पर्दे न लगाएं, बल्कि हल्के और पारदर्शी पर्दे चुनें ताकि सूरज की रोशनी आसानी से अंदर आ सके। इसके अलावा खिड़कियों को साफ रखें ताकि रोशनी अच्छे से फैल सके। अगर संभव हो तो खिड़कियों को बड़ा बनवाएं या फिर खिसकने वाले दरवाजे लगवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा रोशनी अंदर आ सके और कमरा खुला और बड़ा लगे।

स्मार्ट स्टोरेज समाधान अपनाएं

स्मार्ट स्टोरेज समाधान आपके छोटे घर को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं। दीवारों पर शेल्फ लगाएं, बिस्तर के नीचे स्टोरेज का उपयोग करें और कई कामों में आने वाले फर्नीचर चुनें जैसे सोफा-बेड या खाने की मेज जो फोल्ड हो सके। इससे आपके सामान बिखरे नहीं रहेंगे और कमरा साफ-सुथरा दिखेगा। इन तरीकों से आप अपने छोटे घर को बड़ा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे आपका जीवन आसान और खुशहाल होगा।

इस प्राइवेट बैंक ने शुरू की कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम, प्रॉपर्टी-जमीन और सोना बेचने वालों को मिलेगा टैक्स छूट में फायदा

करूर वैश्य बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए कैपिटल गेन अकाउंट स्कीम शुरू की है। इसका मकसद एसेट बेचकर मुनाफा कमाने वाले ग्राहकों को टैक्स छूट का लाभ दिलाना है।

प्राइवेट सेक्टर के करूर वैश्य बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई सुविधा शुरू की है। बैंक ने भारत सरकार और वित्त मंत्रालय से अनुमति लेने के बाद कैपिटल गेंस अकाउंट स्कीम की सुविधा शुरू की है। ग्राहकों के लिए यह सुविधा तत्काल प्रभाव से उपलब्ध भी हो गई है। इसका लाभ देशभर में बैंक की सभी शाखाओं पर लिया जा सकता है, सिवाय ग्रामीण इलाकों के। इसका फायदा उठाकर ग्राहक अपने कैपिटल गेन पर लगने वाले टैक्स में बचत कर सकते हैं।

कैपिटल गेन अकाउंट खासतौर से ऐसे ग्राहकों और एचयूएफ के लिए बनाया गया है, जो अपनी संपत्तियों को बेचकर मुनाफा कमाते हैं। जैसे प्रॉपर्टी, मकान, जमीन, सोना, शेयर, सिक्योरिटीज आदि। कैपिटल गेन के रूप में होने वाले इस मुनाफे को अगर तत्काल इस्तेमाल नहीं कर सकते तो ग्राहक इसे कैपिटल गेन अकाउंट में रखकर कुछ समय के लिए राहत पा सकते हैं। इनकम टैक्स विभाग की ओर से इसके लिए बाकायदा कानून बनाया गया है और कैपिटल गेन टैक्स बचाने के लिए ग्राहक अपने पैसे इन खातों में रख सकते हैं।

कैसे उठा सकते हैं खाते से फायदा

इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तहत अगर किसी ग्राहक ने एसेट बेचकर कैपिटल गेन टैक्स कमाया है तो वह अपने मुनाफे को इन खातो में रखकर भी टैक्स छूट का फायदा ले सकता है। इसका फायदा कुछ समय तक मिलता है, जब तक कि ग्राहक इन पैसों को तय नियमों के तहत सही जगह निवेश नहीं कर देते। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनकम टैक्स एक्ट कैपिटल गेन के पैसों को दोबारा तय जगह पर निवेश करने पर टैक्स छूट प्रदान करता है। करूर वैश्य बैंक का कैपिटल गेन अकाउंट भी ऐसे ही मुनाफे के लिए सेफगार्ड का काम करता है।

खाते पर कितना मिलता है ब्याज

यह खाता ग्राहकों को बिना निवेश की जल्दबाजी किए ही इनकम टैक्स बचाने का मौका देता है। साथ ही इसमें जमा पैसों पर कुछ ब्याज भी मिलता है। इसका मतलब है कि आम के आम और गुठलियों के दाम। बैंक ने बताया है कि ग्रामीण क्षेत्रों को छोड़कर उसकी सभी शाखाओं पर इसका फायदा उठाया जा सकता है। इस खाते में यूपीआई, एनईएफटी और आरटीजीएस सभी तरह से पैसे ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इसका खाता खुलवाने की प्रक्रिया भी काफी आसान है और बैंक के तय नियमों के तहत खाता खुलवाया जा सकता है।

2 तरह का होगा खाता

बैंक ने ग्रहाकों को दो तरह के खाते खलवाने का विकल्प दिया है। पहला टाइप ए यानी बचत खाता। इसके तहत अगर पैसे को दोबारा सिस्टमैटिक तरीके से निवेश करना है अथवा निर्माण कराना है तो इसमें पैसा रखा जा सकता है। इसमें रखा पैसा आप धीरे-धीरे निकाल सकते हैं और उसका इस्तेमाल निवेश करने में या निर्माण करने में किया जा सकता है। दूसरा टाइप-बी यानी टर्म डिपॉजिट अकाउंट। इस तरह के खाते में रखे पैसों को एकमुश्त निकाला जा सकता है। अगर आपको लम्पसम निवेश करना या फिर फ्लैट, मकान खरीदने के लिए पैसों की जरूरत होती है तो इस खाते से एकमुश्त पैसा निकाल सकते हैं।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने मार्च के अंत तक डिलीवरी के लिए इक्वाडोर के ओरिएंट कच्चे तेल की अपनी पहली खेप सुरक्षित की है। इस रणनीतिक खरीद का उद्देश्य देश के तेल आयात में विविधता लाना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब वैश्विक प्रतिबंधों के कारण रूस से तेल की आपूर्ति बाधित हो रही है।

महाराष्ट्र से भी छोटे देश से भारत ने खरीदा कच्चा तेल, धरा रह गया ट्रंप का खेल

रूसी तेल पर प्रतिबंध, ईरान से बढ़ती टेंशन और उसके बाद वेनेजुएला के तेल पर कब्जा, बीते कुछ हफ्तों में अमेरिकी राष्ट्रपति ने ग्लोबल क्रूड ऑयल सप्लाई को अपने हाथों में लेने की काफी कोशिश की है। इस कोशिश में भारत को सस्ता तेल हासिल करने के लिए अपनी प्लानिंग में कई तरह के रद्दोबदल करने पड़े हैं। साथ ही एक या कुछ ही देशों पर से अपनी निर्भरता को कम करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि भारत ने मौजूदा समय में 50 से ज्यादा देशों के साथ कच्चे तेल को लेकर डील की है। जिसकी जानकारी एक बार खुद देश के पेट्रोलियम मिनिस्टर ने दी थी। जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा भी देखने को मिला है।

अब भारत ने एक ऐसे देश से ऑयल लिया है, जिसका साइज महाराष्ट्र से भी छोटा है। ये सप्लाई कोई छोटी मोटी नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत की सरकारी कंपनी ने 20 लाख बैरल कच्चा तेल इस छोटे से देश से खरीदा है। अनुमान है कि आने वाले महीनों में इस देश से और भी कच्चा तेल खरीदा जा सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि आखिर से देश कौन सा है, जिसका साइज महाराष्ट्र से भी कम है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ये देश कौन सा है। साथ भारत की किस सरकारी ऑयल कंपनी के साथ डील हुई है?

इस देश के साथ हुई डील

रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले से दो व्यापार सूत्रों के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉर्प (आईओसी) ने टेंडर के माध्यम से मार्च के अंत में डिलीवरी के लिए इक्वाडोर के ओरिएंटे कच्चे तेल की अपनी पहली खेप खरीदी है। देश की टॉप रिफाइनर कंपनी रूसी तेल की आंशिक रूप से भरपाई के लिए तेल स्रोतों का विस्तार कर रही है। रूसी उत्पादकों और जहाजों पर अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल इंपोर्ट बाधित हो रहा है, जिससे भारतीय रिफाइनर वैकल्पिक सप्लाई की तलाश कर रहे हैं। रूसी तेल आयात में कमी से वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते के लिए नई दिल्ली की बातचीत में भी मदद मिलेगी।

इतना खरीदा तेल

सूत्रों ने बताया कि आईओसी ने 20 लाख बैरल मध्यम-भारी खट्टे ओरिएंटे तेल खरीदा है, लेकिन उन्होंने कीमत और विक्रेता के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। आईओसी ने अभी तक इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। यह रिफाइनर अपनी अधिकांश तेल आवश्यकताओं की पूर्ति रूस और मिडिल ईस्ट से इंपोर्ट करके करता है और दक्षिण अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद बहुत कम करता है, हालांकि इसके मेक्सिको, ब्राजील और कोलंबिया के साथ वैकल्पिक खरीद अनुबंध हैं। पिछले महीने, आईओसी ने कोलंबियाई कैस्टिला कच्चे तेल के 20 लाख बैरल खरीदे।

महाराष्ट्र से भी छोटा है देश

खास बात तो ये है कि इक्वाडोर का साइज भारत की इकोनॉमिक कैपिटल महाराष्ट्र से भी छोटा है। रिपोर्ट के अनुसार इक्वाडोर साउथ अमेरिका का देश है। जिसका साइज 283,561 स्क्वायर किलोमीटर है। जबकि महाराष्ट्र का एरिया 308,000 स्क्वायर किलोमीटर है। मौजूदा समय में महाराष्ट्र की पॉपुलेशन करीब 14 करोड़ है। वहीं बात 1।8 करोड़ के करीब है। इसका मतलब है कि महाराष्ट्र की पॉपुलेशन इक्वाडोर के मुकाबले में 7 गुना ज्यादा है। वहीं बात इक्वाडोर की कुल जीडीपी 130।5 बिलियन डॉलर है। अगर बात महाराष्ट्र की करें तो वित्त वर्ष 2026 में राज्य की जीडीपी 580 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है।इसका मतलब है कि जीडीपी के मोर्चे पर इक्वाडोर महाराष्ट्र के मुकाबले 4।5 गुना बड़ा है।

'ईरान में हत्याएं रुक रही हैं, फांसी पर भी लगी रोक', अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान में फांसी की सजा दिए जाने पर रोक के साथ ही हत्याएं भी थम गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें 'विश्वसनीय सूत्रों' से पता चला है कि ईरान में फांसी की योजनाएं रोक दी गई हैं। हालांकि, इसके उलट तेहरान ने प्रदर्शनकारियों पर अपनी कार्रवाई में त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने के संकेत दिए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का यह दावा ऐसे समय में सामने आया है, जब उन्होंने हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शन कर रहे ईरानियों से कहा है कि मदद आ रही है। ट्रंप ने कहा था कि उनका प्रशासन ईरानी सरकार के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगा। हालांकि, बयान को लेकर ट्रंप ने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है कि अमेरिका किस तरह जवाब देगा।

क्या ईरान पर कार्रवाई को टाल देंगे ट्रंप?

राष्ट्रपति ट्रंप के बुधवार को दिए गए बयान से साफ नहीं है कि वे ईरान पर आगे कार्रवाई करेंगे या नहीं। हालांकि, उनकी टिप्पणियों से यह संकेत मिलता है कि वे कार्रवाई को टाल देंगे। उन्होंने कहा, 'हमें बताया गया है कि ईरान में हत्याएं रुक रही हैं, रुक चुकी हैं। फांसी की कोई योजना नहीं है, न ही किसी को फांसी दी जाएगी, मुझे यह विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है।' उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अधिकारियों ने ट्रंप के लिए राजनयिक दृष्टिकोण से लेकर सैन्य हमलों तक के विकल्पों पर चर्चा करने के लिए पिछले शुक्रवार को बैठक शुरू की थी। संभावना जताई जा रही है कि ट्रंप का आदेश मिलते ही अमेरिकी सेना ईरान में कार्रवाई कर सकती है। गौरतलब है कि ईरान में जारी प्रदर्शनों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 3400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

'जून में जो गलती की, उसे दोबारा न करे अमेरिका', ट्रंप की धमकी के बीच ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए उनसे विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी। उन्होंने ये भी कहा मदद आ रही है। इस पोस्ट के बाद कयास लगने लगे कि शायद अमेरिका, ईरान पर हमला कर सकता है। अब इन कयासों के बीच ईरान की सरकार ने चेतावनी दी है कि पिछली गलती न दोहराएं। माना जा रहा है कि ईरान ने जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से जोड़ते हुए ये बात कही। अमेरिकी मीडिया चैनल फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला।

फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रेट बेयर ने जब ये सवाल किया कि क्या उनके पास राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कोई संदेश है, जो प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए किसी तरह की कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं? इस पर ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मेरा संदेश है कि जून में आपने जो गलती की थी, उसे दोबारा न दोहराएं। आप जानते हैं, अगर आप एक असफल अनुभव को दोहराते हैं, तो आपको वही परिणाम मिलेगा।'

अब्बास अराघची ने कहा, 'आपने जून में हमारे परमाणु केंद्रों पर हमला किया, मशीनों को नष्ट कर दिया, लेकिन तकनीक पर बमबारी नहीं की जा सकती और दृढ़ संकल्पों पर भी बमबारी नहीं की जा सकती।'

विदेश मंत्री अराघची ने आगे कहा कि ईरान हमेशा बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार रहा है, लेकिन उन्होंने अमेरिका पर इससे बचने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार है। हमने पिछले 20 वर्षों में यह साबित किया है, लेकिन यह अमेरिका है जो हमेशा कूटनीति से बचता रहा, जिसने कूटनीति को खत्म किया और युद्ध को चुना। मेरा संदेश है कि युद्ध और कूटनीति के बीच; कूटनीति एक बेहतर तरीका है। हालांकि हमें अमेरिका से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। लेकिन फिर भी, कूटनीति युद्ध से कहीं बेहतर है।'

ताइवान के पास चीनी सैन्य गतिविधि बढ़ी, पीएलए के नौ लड़ाकू विमान और 11 युद्धपोत ट्रैक किए गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान और चीन के बीच जारी तनाव के बीच एक बार फिर चीनी सेना की गतिविधियों में इजाफा देखा गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने अपने क्षेत्र के आसपास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 9 लड़ाकू विमानों और 11 चीनी नौसैनिक जहाजों की मौजूदगी दर्ज की है।

विमानों ने मध्य रेखा पार की

ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन सभी 9 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन में प्रवेश किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा आज सुबह 6 बजे (UTC+8) तक ताइवान के आसपास 9 PLA विमान और 11 PLAN जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। सभी विमानों ने मध्य रेखा पार की। स्थिति पर नजर रखी गई और उचित प्रतिक्रिया दी गई।

देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे- राष्ट्रपति लाई चिंग-ते

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले बुधवार को भी ताइवान ने 20 PLA विमानों और 9 चीनी युद्धपोतों की मौजूदगी दर्ज की थी, जिनमें से 17 विमानों ने ADIZ में प्रवेश किया था। इससे क्षेत्र में सैन्य दबाव लगातार बढ़ता दिख रहा है। इस बीच, ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे और चीन को ताइवान के मामलों में दखल देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा मैं देश की सुरक्षा सुनिश्चित करूंगा और किसी भी तरह के चीनी दबाव को ताइवान तक पहुंचने नहीं दूंगा।

राष्ट्रपति लाई ने यह भी कहा कि चीन द्वारा ताइवान पर बनाया जा रहा दबाव इस बात का प्रमाण है कि बीजिंग का अधिकार ताइवान तक नहीं फैलता और ताइवान, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा नहीं है। हाल ही में चीन द्वारा प्रतिबंधित जापानी सांसद हेई सेकी की ताइवान यात्रा का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति लाई ने कहा कि यह दौरा इस बात का सबूत है कि रिपब्लिक ऑफ चाइना और PRC एक-दूसरे के अधीन नहीं हैं।

ईरान के खिलाफ कुछ बड़ा करने वाला है अमेरिका? युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया की तरफ रवाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और तनाव के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल अमेरिका ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को दक्षिण चीन सागर से पश्चिम एशिया की तरफ रवाना किया है। न्यूज नेशन की व्हाइट हाउस की पत्रकार केली मेयर ने सूत्रों के हवाले से ये दावा किया है। केली ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर ये जानकारी दी।

व्हाइट हाउस की पत्रकार ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी जानकारी

केली मेयर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'यूएस मिलिट्री हार्डवेयर ईरान से तनाव के बीच पश्चिम एशिया की तरफ बढ़ रहा है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर से अपने युद्धपोत को पश्चिम एशिया की तरफ रवाना किया है। एक सूत्र ने न्यूज नेशन को यह जानकारी दी है। युद्धपोत के पहुंचने में एक हफ्ते के करीब का समय लग सकता है।'

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर, ईरान ने बंद किया एयरस्पेस

यह घटनाक्रम ऐसे समय हो रहा है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है और ईरान के साथ अमेरिका की तनातनी चल रही है। ईरान ने भी अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। ईरान में आर्थिक संकट के चलते बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 2600 से ज्यादा लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और मदद भेजने की बात कही है।

वहीं ईरान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका जून वाली गलती न दोहराए। साथ ही ईरान ने बातचीत और कूटनीति के जरिए विवाद सुलझाने की बात कही और कहा कि अमेरिका हमेशा कूटनीति और बातचीत से बचता रहा है।

कितना खतरनाक है अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन

यूएसएस अब्राहम लिंकन निमित्ज श्रेणी का पांचवा युद्धपोत है। यह परमाणु ऊर्जा से चलने वाला पोत है, जो दक्षिण चीन सागर में तैनात रहता है। इस युद्धपोत को अमेरिकी नौसेना में 1989 में शामिल किया गया था।

यह युद्धपोत 97 हजार टन वजनी है और इसकी फ्लाइट डेक करीब 4.5 एकड़ में फैली हुई है। इसकी लंबाई करीब 1092 फीट है। इसमें चार हैंगर एलीवेटर हैं और यह अपने साथ 90 लड़ाकू विमान ले जा सकता है।

इसकी डेक पर अमेरिका के सबसे आधुनिक लड़ाकू जेट एफ-35सी तैनात हैं। इस युद्धपोत पर पांच हजार से ज्यादा नौसैनिक, मरीन और क्रू के सदस्य तैनात हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत है।

यह युद्धपोत इतना बड़ा है कि इसका अपना खुद का जिप कोड, टीवी और रेडियो स्टेशन, एक अखबार, अग्निशमन केंद्र, लाइब्रेरी, एक अस्पताल, जनरल स्टोर जैसी सुविधाएं हैं।

रांची में ईडी ऑफिस में पुलिस की रेड, बीजेपी बोली- झारखंड को बंगाल नहीं बनने देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के ऑफिस में पुलिस ने छापा मारा है। रांची की एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने रेड की है। ईडी के दो अधिकारियों पर पेयजल कर्मी से मारपीट का आरोप है। प्रतीक और शुभम पर ये आरोप है। मारपीट का यह मामला एयरपोर्ट थाना में दर्ज कराया गया। इसी मामले की जांच करने रांची पुलिस ईडी दफ्तर पहुंची।

दो दिन पहले पेयजल विभाग के एक मामले में ईडी अधिकारियों ने संतोष कुमार से पूछताछ की थी। आरोप है कि इस दौरान पेयजल कर्मी से मारपीट की गई। पेयजल अधिकारी का आरोप है कि उसे पूछताछ के दौरान मारा पीटा गया था। वहीं, बीजेपी ने आरोप लगाया कि ईडी कार्यालय में मुख्यमंत्री और पुलिस प्रशासन से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मौजूद हैं। आशंका है कि पुलिस कार्रवाई की आड़ में इन अहम साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ या उन्हें नष्ट करने का प्रयास किया जा सकता है।

'झारखंड को बंगाल नहीं बनने देंगे'

बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट किया, रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय को रांची पुलिस द्वारा घेरने की सूचना प्राप्त हो रही है। ईडी कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं पुलिस-प्रशासन से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य मौजूद हैं। आशंका है कि पुलिस कार्रवाई की आड़ में इन अहम साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ या उन्हें नष्ट करने का प्रयास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में पहले भी ईडी के विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए हैं तथा झामुमो-कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा ईडी पर हमले की कोशिशें भी हो चुकी हैं। ऐसी घटनाएं जांच एजेंसियों के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कार्य में बाधा डालने का प्रयास है। सीएम हेमंत कान खोलकर सुन लीजिए... झारखंड को बंगाल नहीं बनने देंगे। आपको भ्रष्टाचार की सजा जरूर मिलेगी।

'हेमंत सरकार को दूरगामी परिणाम झेलने होंगे'

झारखंड बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि हेमंत सरकार ने बदले की भावना से प्रेरित होकर ईडी के दफ्तर में रेड करवाया है। प्रतुल ने कहा कि ईडी के मामले में ही हेमंत सोरेन पूर्व में जेल जा चुके हैं और उनके कई मंत्री और विधायक मनी लांड्रिंग के मामलों में ईडी के रडार पर हैं। एक संवैधानिक संस्था पर रेड के हेमंत सरकार को दूरगामी परिणाम झेलने होंगे।

हैदराबाद की अदालत ने दो पत्रकारों को जमानत दी, महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ मानहानि का था आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदाराबाद की एक अदालत ने गुरुवार को एक तेलुगु टीवी समाचार चैनल के दो पत्रकारों को जमानत दे दी। दोनों पत्रकारों को एक महिला आईएएस अधिकारी के खिलाफ कथित रूप से मानहानिकारक सामग्री प्रसारित करने से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ करने के बाद सामग्री जब्त की। उन्हें न्यायिक हिरासत के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। पत्रकारों का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ताओं ने मीडियाकर्मियों को बताया कि दलीलें सुनने के बाद अदालत ने गुरुवार उनकी रिमांड याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही 20,000 रुपये प्रत्येक के दो जमानती पेश करने पर जमानत दे दी।अदालत ने आरोपियों को अपने पासपोर्ट सरेंडर करने का भी निर्देश दिया। तेलंगाना आईएएस अधिकारी संघ की शिकायत के बाद, जिसमें कुछ चैनलों पर अधिकारी के बारे में 'झूठी, मनगढ़ंत और निराधार सामग्री प्रकाशित और प्रसारित करने' का आरोप लगाया गया था।

प्रो .संजय द्विवेदी की किताब '11 महानायक' पुस्तक मेले में लोकार्पित

संस्मय प्रकाशन ने किया वर्ष 2026 में प्रकाशित

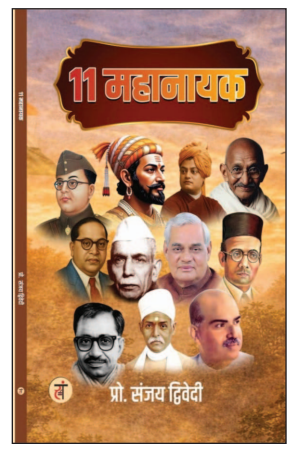

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मंडप, नई दिल्ली में आयोजित 53वें विश्व पुस्तक मेले में इस वर्ष भी भारी संख्या में पाठक और साहित्य प्रेमी पहुंच रहे हैं। हॉल दो में स्टॉल R-36 में संस्मय प्रकाशन पर भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक व माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी की पुस्तक '11 महानायक' का लोकार्पण केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मण्डल के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल जोशी ने किया। पुस्तक को संस्मय प्रकाशन ने प्रकाशित किया है।

संस्मय प्रकाशन की निदेशक भावना शर्मा ने बताया कि 'यह पुस्तक भारतीय ज्ञान परम्परा के उद्दात चरित्रों से आधुनिक भारत के नायकों तक की यात्रा को दर्शाती है। जो जनमानस के लिए प्रेरक है।' इस अवसर पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल', लंदन की सुप्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार दिव्या माथुर, सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार राजेश कुमार एवं अन्य साहित्यप्रेमी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस समय संस्मय प्रकाशन का स्टॉल लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। संस्मय प्रकाशन साहित्य जगत की सेवा के साथ-साथ हिंदी भाषा को आम जनमानस से जोड़ने के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था के प्रयासों से अब तक 35 लाख लोगों के हस्ताक्षर हिंदी में परिवर्तित किए जा चुके हैं। 53वें विश्व पुस्तक मेले में संस्मय प्रकाशन का यह आयोजन साहित्य और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

दोस्त की शादी में पहुंचे आलिया भट्ट और रणबीर कपूर, ट्रेडिशनल लुक में नजर आया क्यूट कपल

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर मुंबई में अपने एक दोस्त की शादी मां शामिल हुए। रणबीर और आलिया के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर बीते मंगलवार को मुंबई में एक दोस्त की शादी के रिसेप्शन में गए। दोनों ने बहुत खूबसूरत ट्रेडिशनल ड्रेसी कैरी की थी। आलिया और रणवीर का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

आलिया और रणबीर का लुक

आलिया और रणबीर ने दोस्त की शादी में शिरकती की। इस दौरान आलिया व्हाइट कढ़ाईदार सीक्वेंस व्हाइट साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। आलिया ने इस शाइनिंग साड़ी को डीप नेक ब्लाउज के साथ कैरी किया। आलिया ने अपने इस देसी लुक को गले में चोक नेकलेस पहनकर पूरा किया। वहीं रणबीर ने काला कुर्ता-पायजामा पहना था, जिसके ऊपर कढ़ाई वाली नेहरू जैकेट थी। आलिया ने इस लेटेस्ट लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर की हैं।

रणबीर और आलिया की आने वाली फिल्में

रणबीर और आलिया दोनों को 2018 में फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की शूटिंग के दौरान प्यार हुआ। उन्होंने 14 अप्रैल 2022 को शादी की और 6 नवंबर 2022 को उनकी बेटी राहा कपूर का जन्म हुआ। फिलहाल, दोनों संजय लीला भंसाली की नई फिल्म 'लव एंड वॉर' में साथ काम कर रहे हैं, जिसमें विक्की कौशल भी हैं। ये एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जो इस साल रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा द ब्लफ में दिखाएंगी खूनी खेल, दमदार पोस्टर हुआ जारी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। उससे पहले अभिनेत्री ने प्रशंसकों को तोहफा देते हुए आगामी फिल्म द ब्लफ का ऐलान किया है। फिल्म से अपनी पहली झलक भी जारी कर दी है। फिल्म का निर्माण रूसो ब्रदर्स ने मिलकर किया है, जबकि निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। द ब्लफ की कहानी 18वीं सदी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें प्रियंका, एर्सेल बॉडेन नाम का किरदार निभा रही हैं।

द ब्लफ के पोस्टर में प्रियंका का खूंखार अवतार देखने को मिल रहा है। हाथ में तलवार लेकर वह तबाही मचाने को तैयार हैं। फिल्म ब्लड मैरी नाम से मशहूर समुद्री डाकू से इंस्पायर है। पोस्टर देखकर एक यूजर ने लिखा, सचमुच तबाही मचाने के लिए तैयार है। दूसरे ने लिखा, वाह, ये तो जबरदस्त है! वहीं अन्य लोग अभिनेत्री को फिल्म के लिए बधाई दे रहे हैं। फिल्म 25 फरवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी।

मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज, लापता बच्चियों की गुत्थी सुलझाने के मिशन पर लौटीं रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी ने इंडियन सिनेमा में अपने तीन दशक पूरे कर लिए हैं। साल 1996 में रानी ने फिल्मों में कदम रखा था और उनका सफर आज भी जारी है। इस मौके पर आज उनकी क्राइम एक्शन फिल्म मर्दानी 3 का धांसू और रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज हुआ है। रानी मुखर्जी एक बार फिर अपने शिवानी शिवाजी रॉय वाले कड़क पुलिस इंस्पेक्टर के रोल में नजर आ रही हैं। मर्दानी 3 का ट्रेलर दर्शकों को बेचैन करने वाला है। रानी ने एक बार फिर अपने अभिनय से अपने फैंस को चौंका दिया है।

मर्दानी 3 का ट्रेलर तकरीबन सवा तीन मिनट का है, जिसकी शुरुआत ही डराने वाली है। एक बच्ची अपने दोस्तों संग हाइड एंड सीक खेलती हैं कि इतने में उसका अपहरण हो जाता है। फिर स्क्रीन पर एक लाइन लिखी आती है कि हर हफ्ते देश की कई बच्चियों लापता हो रही हैं। फिर कहानी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू होती है, जहां से दो छोटी बच्चियां खेलते समय किडनैप हो गईं।

इसके बाद रानी मुखर्जी की खाकी वर्दी में एंट्री होती है और इस बार वह एनआईए में नई जिम्मेदारी के साथ आई हैं। रानी को बताया जाता है कि केस बहुत अर्जेंट हैं और इसमें उन्हें कोई छुट्टी नहीं मिलेगी। ट्रेलर में आगे रानी अपने मिशन की शुरुआत करती हैं और पिछले तीन महीने में कितनी बच्चियां देश से गायब हुई हैं, उसकी लिस्ट मांगती हैं। इसके बाद ट्रेलर में बच्ची को अगवा करने वाली अम्मा से रानी का सामना आता है और यह देखने को मिलता है कि देश से कैसे और क्यों बच्चियां गायब हो रही हैं। ट्रेलर में अपहरण बच्चियों संग हो रहे बर्ताव वाले सीन दिल दहला देने वाले हैं।

रानी मुखर्जी के होम प्रोडक्शन यशराज बैनर तले बनी फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा और को-निर्माता अक्षय विद्यवानी हैं। फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग आयुष गुप्ता ने लिखे हैं। फिल्म आगामी 30 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। बता दें, सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म को अभिराज मीनावाला ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का पहला पार्ट मर्दानी साल 2014 में रिलीज हुआ था, जिसे प्रदीप सरकार ने डायरेक्ट किया था। वहीं, फिल्म का दूसरा पार्ट 5 साल बाद 2019 में रिलीज हुआ था, जिसके डायरेक्टर गोपी पुथरन थे। फिल्म के दोनों ही पार्ट दर्शकों को खूब भाए थे और अब ट्रेलर देखकर लगता है कि फिल्म का तीसरा पार्ट और भी ज्यादा दमदार होने जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com